राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 08 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-19 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पीएम मोदी ने ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान के लिए जताया आभार

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान उनके रणनीतिक नेतृत्व और वैश्विक सहयोग के लिए ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान से नवाजा गया है। इस सम्मान के लिए पीएम मोदी ने बारबाडोस की सरकार और वहां की जनता का आभार व्यक्त किया।

बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में गुरुवार को आयोजित एक विशेष समारोह में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से यह सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर बारबाडोस की राष्ट्रपति डेम सैंड्रा मेसन, प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली, विदेश मंत्री केरी सिमंड्स और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस सम्मान के लिए बारबाडोस की सरकार और वहां की जनता का आभार जताया। उन्होंने लिखा, इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए बारबाडोस की सरकार और लोगों का आभार। यह पुरस्कार 1.4 बिलियन भारतीयों और भारत-बारबाडोस के घनिष्ठ संबंधों को समर्पित है।

वहीं केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सम्मान को लेकर गर्व और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फीडम ऑफ बारबाडोस पुरस्कार प्राप्त करना एक गौरवशाली क्षण है। यह भारत-बारबाडोस की मित्रता का प्रतीक है।

क्यों दिया गया यह सम्मान?

बारबाडोस सरकार ने यह सम्मान कोविड-19 संकट के दौरान भारत द्वारा दी गई अहम सहायता और पीएम मोदी के निर्णायक नेतृत्व को मान्यता देने के लिए प्रदान किया। महामारी के समय भारत ने वैक्सीन मैत्री पहल के तहत कई देशों को वैक्सीन और चिकित्सा आपूर्ति भेजी थी, जिसमें बारबाडोस भी शामिल था।

भारत और बारबाडोस के संबंध

बारबाडोस कैरेबियाई क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देश है और भारत के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत ने बारबाडोस को वैक्सीन, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण प्रदान किए थे, जिससे दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत हुए। दोनों देश जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण रखते हैं। पीएम मोदी को मिला यह सम्मान न

केवल उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है, बल्कि यह भारत और बारबाडोस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का भी प्रमाण है।

जेनेरिक दवाओं के कारण परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ : नड्डा

अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने स्वास्थ्य सेवा को बदलकर रख दिया है। इसका मूल मंत्र सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली किफायती दवाइयां उपलब्ध कराना हैं। नड्डा ने कहा कि देश भर में 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के साथ, यह योजना रोजना 10 लाख लोगों की मदद करती है। जन औषधि केंद्रों पर लोगों को दवाइयां बाजार से 50 से 90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं, इससे अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे अनगिनत परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना में 2,047 दवाइयां और 300 सर्जिकल सामान शामिल हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच, सही खरीद प्रक्रिया और मजबूत आपूर्ति व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है, इस पूरे काम को पीएमबीआई संभालती है। नडडा ने बताया कि भारत से बाहर भी इसका विस्तार शुरू हो गया है। पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया। 2027 तक 25 हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किफायती स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने नजदीकी जन औषधि केंद्र पर जाएं, वहां की दवाइयों को आजमाएं और उनकी गुणवत्ता व किफायती कीमत का अनुभव करें।

दिसानायके के निमंत्रण पर पीएम मोदी अगले माह जा सकते हैं श्रीलंका

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी अप्रैल में श्रीलंका की यात्रा पर जा सकते हैं। श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह यात्रा श्रीलंका की राष्ट्रपति अरुणा दिसानायके की दिसंबर में दिल्ली यात्रा के बाद होगी। पीएम के तौर पर नरेंद्र मोदी 2015, 2017 और 2019 में तीन बार श्रीलंका की यात्रा कर चुके हैं। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों पर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के तलाईमनेर के बीच नए नौका मार्ग पर चर्चा हो रही है। भारत और श्रीलंका के बीच नागापट्टिनम को त्रिंकोमाली से जोड़ने वाली बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन को आगे बढ़ने की संभावना है। इस परियोजना में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन प्रमुख भूमिका निभा रहा है। दिसानायके ने पीएम मोदी को दिसंबर में तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान अपनी सुविधानुसार जल्द से जल्द श्रीलंका की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था जो सितंबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। दिसानायके ने अपनी भारत यात्रा को काफी सफल बताया था और इस बात पर जोर दिया था कि यात्रा के दौरान भारतीय नेतृत्व और व्यापारिक समुदाय के साथ उनकी उत्पादक चर्चा हुई थी। पीएम मोदी 2014 से अब तक तीन बार श्रीलंका का दौरा कर चुके हैं। पीएम की श्रीलंका की आखिरी यात्रा जून 2019 में ईस्टर संडे हमलों के बाद एकजुटता व्यक्त करने के लिए हुई थी। इससे पहले पीएम मोदी ने मार्च 2015 में श्रीलंका का दौरा किया था, जो 1987 के बाद से भारत के किसी पीएम की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी और मई 2017 में वे श्रीलंका द्वारा आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय वेसाक दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में वहां गए थे।

अब मुंबई में भी दौड़ेंगी बाइक टैक्सी, जल्द शुरु करने की चल रही तैयारी

मुंबई। देश के 22 राज्यों की तर्ज पर मुंबई में भी बाइक टैक्सी की शुरुआत की जाएगी। इससे मुंबई के लोगों को छोटी दूरी तय करने में सहूलियत होगी। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसके संकेत दिए हैं कि बाइक टैक्सी जल्द शुरू की जाएगी। सरकार ने मुंबई समेत राज्य के दूसरे बड़े शहरों में बाइक टैक्सी की एक योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों की मानें तो अप्रैल में मुंबई में बाइक टैक्सी की शुरूआत हो जाएगी। बाइक टैक्सी की शुरुआत होने से बेस्ट बसों, लोकल ट्रेन, मेट्रो, फेरी, ऑटो और टैक्सी के बाद परिवहन का नया विकल्प मिल जाएगा। सीएम देवेंद्र फडणवीस की 100 दिवसीय कार्ययोजना में बाइक टैक्सी सेवा को मंजूरी देना भी शामिल है। गुरुवार को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि अनुमोदन प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और अगले कुछ दिनों में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाइक टैक्सी से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। यात्रियों की यात्रा लागत कम होगी। यही वजह है कि राज्य सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने और किफायती आवागमन का विकल्प प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र में बाइक टैक्सी शुरू करने का निर्णय लिया है। सरनाईक ने कहा कि परिवहन विभाग सेवा पूरी तरह से शुरू होने से पहले यात्रियों की सुरक्षा तय करने के लिए सुरक्षा नियमों पर काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि अपराध दर में वृद्धि को देखते हुए यह तय करने की जरुरत है कि यात्री विशेषकर महिलाएं बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते समय सुरक्षित महसूस करें। विभाग को इस माह मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

सेना का फाइटर जेट जगुआर क्रैश, वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

पंचकूला।

हरियाणा के पंचकूला जिले में मोरनी के समीप स्थित बालदवाला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सेना का एक फाइटर जेट अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की खबर यह रही कि विमान के पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित उतरने में सफल रहे। घटना के कारणों का पता लगाने वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

सेना के फाइटर जेट के क्रैश होने की इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया, कि विमान के पायलट ने पैराशूट की मदद से सुरक्षित नीचे उतरने में सफल रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया। इस भीषण हादसे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह जगुआर फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट ने विमान को आबादी क्षेत्र से दूर ले जाने का भरसक प्रयास किया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचा जा सका।

भारतीय वायुसेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा, कि भारतीय वायुसेना के एक जगुआर विमान के क्रैश का कारण सिस्टम में खराबी थी। घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। वायुसेना के विशेषज्ञों की टीम दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर विस्तृत जांच कर रही है। इसके साथ ही, अधिकारियों ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है और कहा है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाना चाहिए।

किसान संगठनों का ऐलान, 10 मार्च को आप के सभी विधायकों के घरों का घेराव

चंडीगढ़ ।

किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के तमाम संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। अब तक मोदी सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आप के विधायकों के घरों का घेराव करने वाले है। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वहां बिल्कुल ठीक नहीं था। किसान नेता लाखोवाल ने कहा कि मान सरकार से असहमति जताने के लिए आप के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार होगा। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह थी कि मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई।

कारगिल में उतारा सी-17 ग्लोबमास्टर विमान, सेना ने चल दिया बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कभी एकदम से खत्म नहीं हुआ है। वहीं पाकिस्तान और चीन सदाबहार दोस्त बने रहते हैं। इसके बाद भारत की चुनौती और भी बढ़ जाती है। लेकिन सेना ने कारगिल में सी-17 ग्लोबमास्टर विमान को उतारकर बड़ा दांव चल दिया है। यह कदम बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है। दरअसल सीमा को सुरक्षित रखने के लिए कनेक्टिविटी बहुत अहम है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में अक्सर कनेक्टिविटी खत्म हो जाती है। पाकिस्तान 1999 में करगिल पर कब्जा करने की कोशिश कर भी चुका है। इसके बाद भारतीय सेना ने भी अपनी तैयारियों तेज कर दी हैं। दरअसल कारगिल में सी-17 ग्लोबमास्टर की लैंडिंग के मायने बहुत बड़े हैं। इससे सेना का मूवमेंट बढ़ेगा। इसके अलावा लॉजिस्टिक सपोर्ट की क्षमता भी चार गुना होगी। इस एयरफील्ड से अब तक सी-130 जे सुपर हल्क्युलिस और एएन-32 का संचालन किया जाता था। इनकी अधिकतम क्षमता 6 से सात टन ही थी। वहीं सी-17ग्लोबमास्टर 60 से

70 टन का भार उठा सकता है। इसके अलावा इसकी मदद से 150 से ज्यादा सैनिक हथियारों और उपकरणों के साथ तुरंत फ्रंट पर तैनात हो सकते हैं। पाकिस्तान और चीन दोनों से जंग की स्थिति में कारगिल तक यह पहुंच काम आएगी। कारगिल में सेना को उतारकर जल्दी चीन की सीमा पर भी भेजा जा सकता है। सी-17 ग्लोबमास्टर ऊंचाई वाले इलाकों में और कम तापमान वाले इलाकों के हिसाब से भी तैयार रहता है। सूत्रों का कहना है कि वायुसेना को लगता था कि लेह और श्रीनगर के बीच एक गैप है। अगर कारगिल में ग्लोबमास्टर की लैंडिंग होती है, तब यह खाली स्थान भर जाएगा और सेना को सप्लाई और तैनाती दोनों में मदद मिलेगा।

पुलिस ने साइबर ठगों से वापस दिलवाए 26 करोड़, 553 जालसाजों को किया गिरफ्तार

नोएडा।

पुलिस ने 14 महीने में साइबर ठगी के 25 करोड़ 96 लाख से ज्यादा की ठगी गई रकम पीड़ितों को वापस दिलाई है। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 तक साइबर क्राइम में शामिल 553 साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी साइबर सुरक्षा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हाल के वर्षों में साइबर क्राइम की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके बाद पुलिस ने इस पर शिकंजा कसना शुरू किया। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर केवाईसी अपडेट करने, बिजली बिल छूट आदि से जुड़ी साइबर जालसाजी में शामिल 553 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

साइबर क्राइम पुलिस व साइबर सेल ने 14 महीने में डिजिटल अरेस्ट, निवेश व केवाईसी फ्रॉड के 87 मामले और आईटी एक्ट में 466 जालसाजों को दबोचा है। इस दौरान कई साइबर अपराधों से संबंधित घटनाओं से संबंधित 10 करोड़ 32 लाख 28 हजार 231 रुपए लोगों को वापस कराए। वहीं डिजिटल अरेस्ट के 1 करोड़ 31 लाख 67 हजार 874 रुपए, आईटी एक्ट के तहत 1 करोड़ 8 लाख 94 हजार

666 रुपए वापस दिलावाए हैं।

वहीं एनसीआरपी पोर्टल पर प्राप्त हुई 29048 शिकायतों से संबंधित 13 करोड़ 23 लाख 60 हजार 581 रुपए पीड़ितों को वापस दिलवाए। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने 10 हजार से ज्यादा संदिग्ध मोबाइल नंबरों को भी बंद करवा दिया है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसके लिए साइबर थाने व साइबर सेल की टीम लगाई गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि डर व लालच से दूर रहें और थोड़ी सावधानी बरतें तभी साइबर ठगी से बचा जा सकता है।

सीएम सिद्धारमैया ने पेश किया 16वां बजट,

अल्पसंख्यकों को शादी करने पर मिलेंगे 50 हजार

बेंगलुरु।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार 7 मार्च को कर्नाटक विधानसभा में राज्य का 16वां बजट पेश किया। इस बजट में औद्योगिक विकास, कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट राज्य के समग्र विकास के लिए एक मार्गदर्शक साबित होगा।

अल्पसंख्यक परिवारों को कम लागत वाली शादियों के लिए 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आर्थिक विकास की झलक

कर्नाटक की राज्य जीडीपी में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय विकास दर 6.2 प्रतिशत से अधिक है। कृषि क्षेत्र में भी 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सरकार ने ब्रांड बेंगलुरु पहल के तहत 21 परियोजनाओं के लिए 1,800 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके अलावा, मौसम संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए 3,000 करोड़ रुपये और कावेरी जल आपूर्ति परियोजना के चरण 5 के लिए 555 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

2025-26 के लिए कुल व्यय 4.09 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जिसमें शामिल हैं

- राजस्व व्ययः 3,11,739 करोड़ रुपये
- पूंजीगत व्ययः 71,336 करोड़ रुपये
- ऋण भुगतानः 26,474 करोड़ रुपये

बेंगलुरु के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं

मेट्रो नेटवर्क का विस्तार केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक किया जाएगा। ट्रैफिक समस्या से निपटने के लिए 15,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से हेब्बल एस्टीम मॉल को सिल्क बोर्ड जंक्शन से जोड़ने के लिए 18.5 किलोमीटर लंबी उत्तर-दक्षिण सुरंग बनाने की योजना

बनाई गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह बजट कर्नाटक को आर्थिक और सामाजिक रूप से और मजबूत करने में मदद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब अबला नही है नारी !

दादी जानकी ने कभी अपने पास कोई पर्स नहीं रखा,परन्तु वे आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व की सबसे धनी नारी शक्ति रही । शिव बाबा ने खुशी, विश्वास और दुआओं से उनका दामन हमेशा भरकर रखा। वे कहती थी, दुआयें हमारे जीवन का श्रंगार हैं। उन्होंने जीवनभर तीन बातों- सच्चाई, सफाई और सादगी का पालन किया। यही तीन बातें उनके जीवन का आधार, उनकी पूंजी और उनकी शक्ति रही। उन्हें पल- पल महसूस होता था कि शिव बाबा का साथ है और उनसे बाते कर रहा है।दादी जानकी अपने जीवन का अनुभव सुनाया करती थी कि परमात्मा पल पल उनके साथ रहता है और उन्हें सदा परमात्मा की मदद का अनुभव होता है।

(लेखक- डा. श्रीगोपाल नारसन)

भले ही नारी को कभी दोयम दर्जे का माना जाता रहा हो,लेकिन आज नारी तमाम विसंगतियों को धकियाकर अपने कैरियर के पंख फैलाकर आकाश को छू लेने की कोशिश में है।हालांकि जो मां जन्म देती है ,वही पुत्र के लालच में कोख में पल रही कन्या को भ्रूण रूप में ही हत्या तक कराती रही है।इसी कारण हरियाणा जैसे राज्यो में लिंग असमानता हावी रही है।लेकिन कानून की सख्ती व समाज मे आई जागरूकता से परिस्थिति बदली है।अपनी विभिन्न उपेक्षाओं के बावजूद नारी ने जीना सीखा है और सफलता की मंजिल पर आगे बढ़ी है।तभी तो फुलबासन बाई जो कभी दो वक़्त की रोटी को मोहताज थी, आज वह दो लाख महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें रोजगार देने की सफलता की इबादत लिख चुकी है। श्रीमती फूलबासन के नेतृत्व में दो लाख से भी अधिक महिलाओं के इस स्वरोजगार समूह ने शराब में डूबे पुरुषों को सुधारने के लिए भी आंदोलनात्मक अभियान चलाया हुआ है।वे सत्संग के माध्यम से महिलाओं को जोड़ने और उनके जीवन को सही दिशा देने में पिछले बीस साल से जुटी है। उनकी इस उपलब्धि के लिए गत वर्ष सोनी टीवी के धारावाहिक 'कौन बनेगा करोड़पति में कर्मवीर के सम्मान से नवांजी गई छत्तीसगढ़ की पद्मश्री फूलबासन बाई यादव ने हॉट सीट पर बैठकर फ़िल्म अभिनेत्री रेणुका शहाणे की मदद से पचास लाख रुपये जीते थे। फुलबासन अपनी संस्था 'मां बम्लेश्वरी जनहित समिति' के जरिए समाज सेवा करती हैं। 52 वर्ष की फूलबासन यादव छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी महिलाओं के विकास के लिए काम कर रही हैं।स्वयं आत्मनिर्भर बनने व दुसरो को बनाने के लिए फूलबासन का गरीबी से संघर्ष और दूसरों को सशक्त बनाने का योगदान काफी प्रेरणादायक है।

इसी तरह 88 वर्षीया निशानेबाज दादी प्रकाशी ने कभी अंग्रेजी की पढ़ाई नही की, लेकिन फर्राटेदार अंग्रेजी बोलती रही।न बचपन मे न कभी जवानी में ,उसने कभी बन्दूक को हाथ नही लगाया और न ही कभी तीर कमान चलाई लेकिन उसका निशाना ऐसा है जो हमेशा सटीक बैठता है। तभी तो प्रकाशी को दुनिया भर के लोग शूटर दादी या फिर रिवॉल्वर दादी के नाम से जानते और पहचानते है। पिछले साल ह्रदयघात को मात देकर स्वस्थ हुई प्रकाशी दादी ने कहा कि बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ ही नहीं बेटी खिलाओ भी जरूरी है।यानि बेटियो को खेल के क्षेत्र में भी दो दो हाथ आजमाने चाहिए।उन्होंने चार के बजाए छ अक्षरों का बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ ,बेटी खिलाओ का नारा उदघोषित किया।उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव जोहड़ी गांव की रहने वाली दादी प्रकाशी निशानेबाजी में अनेक प्रतियोगिता जीत चुकी हैं तथा निशानेबाजी के लिए देश विदेश की यात्राएं कर चुकी है।इतना ही नहीं, जिस उम्र में बुजुर्ग महिलाएं परमात्मा की याद के लिए पूजा,पाठ भजन आदि हेतु मंदिरों का रुख करती हैं। उस उम्र में प्रकाशी तोमर ने शूटिंग रेंज जाना शुरु किया था। शूटिंग में ख्याति प्राप्त कर चुकी प्रकाशी तोमर देश विदेश में शूटर दादी या फिर रिवॉल्वर दादी के नाम से मशहूर हो चुकी है। निशानेबाजी में प्रकाशी देवी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई मेडल और ट्रॉफी झटक चुकी हैं। प्रकाशी देवी को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा नारी शक्ति अवॉर्ड भी दिया जा चुका है। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आइकन लेडी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।वही दुनिया मे सर्वाधिक स्थिर मन की मल्लिका रही ब्रह्माकुमारी दादी जानकी की ईश्वरीय साधना इस कदर थी कि उनके और परमात्मा के बीच मे कभी कोई तीसरा नही रहा। वे हमेशा परमात्मा की याद में लीन रहती और परमात्मा से राजयोग लगाकर बतियाती रहती थी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका रही दादी जानकी ने 104 वर्ष की आयु तक अपना लौकिक जीवन जिया। जब किसी बड़ी सभा मे वह बोलती तो कहती थी, इतनी हजारों की संख्या में मेरे मीठे- मीठे भाई बहनों को देखकर बहुत खुशी होती है। वे सबसे पहले सभी को तीन बार ॐ शांति बुलवाती थी।

दादी जानकी ने कभी अपने पास कोई पर्स नहीं रखा,परन्तु वे आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व की सबसे धनी नारी शक्ति रही । शिव बाबा ने खुशी, विश्वास और दुआओं से उनका दामन हमेशा भरकर रखा। वे कहती थी, दुआयें हमारे जीवन का श्रंगार हैं। उन्होंने जीवनभर तीन बातों- सच्चाई, सफाई और सादगी का पालन किया। यही तीन बातें उनके जीवन का आधार, उनकी पूंजी और उनकी शक्ति रही। उन्हें पल- पल महसूस होता था कि शिव बाबा का साथ है और उनसे बाते कर रहा है।दादी जानकी अपने जीवन का अनुभव सुनाया करती थी कि परमात्मा पल पल उनके साथ रहता है और उन्हें सदा परमात्मा की मदद का अनुभव होता है। क्योंकि उन्हें मन- वचन- संकल्प और कर्म में एक परमात्मा के सिवाए और कुछ याद ही नहीं रहता । वे कहा करती थी कि सभी खुश रहें, मस्त रहें और सदा परमात्मा के साथ जीवन में आगे बढ़ते रहे। उनका कहना था कि ईश्वर की मदद, ईश्वर का साथ और ईश्वर को अपना बना लेना ही जीवन सफल करना है। जितना हो ,उतना साइलेंस का अभ्यास बढ़ाओ, क्योंकि साइलेंस की पावर सबसे बड़ी पॉवर है। इसी तरह सी. वनमती केरल के एक गरीब परिवार में पैदा हुई । किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन यह लड़की भारतीय प्रशासनिक सेवा यानि आईएएस अधिकारी बनेगी। वनमती के पिता किराये की कार पर ड्राईवरी करके किसी तरह से घर चलाते थे।इतनी कम आमदनी में आईएसएस बनने की सोचना और उसके लिए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओ में सफ़ल होना असंभव सा लगता था, लेकिन वनमती के कड़े परिश्रम ने उसे इस मंजिल तक पहुंचाया।भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी वनमती को प्रेरित करने वाली छात्र जीवन मे दो बाते रही । पहली यह कि उनके गृहनगर में जिला मजिस्ट्रेट एक महिला थीं, जिन्हें सभी सम्मान देते थे और दूसरी गंगा यमुना सरस्वती नामक एक सीरियल में, नायक एक महिला आईएएस अधिकारी का किरदार उन्हें बहुत भाया था। वनमती इन्ही दो बातों से प्रेरित हुईं और फिर अपनी मंजिल तय करने के लिए आगे बढ़ गईं।इसके लिए वनमती को स्कूल जाने के साथ-साथ घर के कामों में भी हाथ बंटाना पड़ता था।

वे आजीविका का साधन बनी अपनी भैंसों को चराने के लिए चरागाहों में जाती थी,उनके लिए खिलाने हेतु चारा जंगल से काटकर घर भी लाना पड़ता था। वनमती ने जब 12वीं पास की तो रिश्तेदारों ने शादी के लिए परिवार पर दबाव डालना शुरू कर दिया, लेकिन आईएएस बनने का सपना लिए वनमती बगावत पर उतर आई और शादी करने से साफ इनकार कर दिया। अच्छी बात यह रही कि इस दौरान परिवार का समर्थन भी वनमती के साथ बना रहा।वनमती का परिवार हालांकि आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं था, लेकिन परिवार हमेशा उसके साथ सहयोगी बनकर रहा और उन्हें कॉपी किताबें जैसे पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराता रहा। वनमती को अपने परिवार से अच्छा समर्थन मिलने और उनके माता-पिता के वनमती के हित को सर्वपरि रखकर लिए गए फैसले से वनमती की राह आसान हो गई थी। परिवार ने वनमति को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया और 12 वीं कक्षा पूरी करने के बाद लड़की की शादी करने की परंपरा को बंद करने में अग्रणी भूमिका निभाई।स्नातक करने के बाद वनमती ने कंप्यूटर एप्लीकेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स पूरा किया। उन्होंने जेब खर्चे के लिए एक निजी बैंक में नौकरी भी की। इसके बाद वनमती सन 2015 में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शामिल हुई। इस परीक्षा में उनकी सारी मेहनत, पसीना और आंसू उस समय सब कारगर हो गए,जब इस परीक्षा में वनमती सफल हो गई।

यानि जब से जागरूकता आई है तब से अपने अधिकारों को प्राप्त करने और उत्पीड़न व शोषण के विरूद्ध आवाज़ उठाने में नारी शक्ति पहले से कही ज्यादा सक्षम हुई है।तभी तो घर मे शौचालय नही है तो बनवाओ, तभी होगी शादी,शादी के लिए दहेज की शर्त न मानने और स्वयं दहेजलोभी दूल्हे को ठुकराने का साहस दिखाने में नारी ने स्वयं को तैयार किया है ,रोज शराब पीकर घर आने वाले पति के हाथों पीटने के बजाए पति को छोड़ अकेले दम पर सिर उठाकर जीने का संकल्प लेना शुरू कर दिया है,जनप्रतिनिधि चुने जाने पर अपने दायित्व में पति या अन्य परिजनों की दखलंदाजी स्वीकार न करने जैसे अनेक कदम उठाये है आज की नारी ने,जो आधी दुनिया के हित मे अच्छा संकेत है।शिक्षा से लेकर स्वयं के पैरों पर खड़े होने तक मे आज की नारी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है।वह भी तब जब आज भी नारी न घर में सुरक्षित है और न घर से बाहर । नारी को भोग की वस्तु मानने वालों में आम समाज के लोग ही नही सभ्रान्त समाज के लोग भी शामिल है। जिस आशाराम को दुनिया बापू कहकर सम्मान देती रही वही बापू नारी की अस्मिता को तार तार करने वाले व्याभिचारी निकले। इसी तरह एक न्यायाधीश द्वारा प्रशिक्षु महिला अधिवक्ता का किया गया देह शोषण का मामला हो या एक सम्पादक द्वारा अपनी ही पत्रकार साथी के साथ किया गया बलात्कार का मामला हो, इन सब घटनाओं से देश भर में नारी के असुरक्षित होने का संदेश गया है । वही उत्तराखंड में अंकिता भंडारी को आज तक न्याय नही मिल पाया। जब अभिजात्य कहे जाने वाले समाज में ही नारी की आबरू सुरक्षित नही है तो फिर नारी आखिर कहा सुरक्षित होगी।

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे।

महिला समानता व सशक्तिकरण स्वस्थ समाज की पहली आवश्यकता

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

प्रत्येक कार्य क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और अपने अधिकारों से अनजान महिलाओं को जागरूक करने व महिला समानता के अधिकार से उनके जीवन सकारात्मक और प्रभावी भूमिका के साथ परिवर्तन आए। प्राचीन भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव ऊंचा स्थान मिला है। नारी को मर्यादा के क्षेत्र में पुरुषों से अधिक श्रेष्ठ माना गया है। तथा स्त्री और श्री में कोई भेद नहीं किया गया। स्त्री के बिना कोई यज्ञ पूर्ण नहीं माना जाता था। स्त्री का नाम हमेशा पुरुष से पूर्व आता था। जैसे सीताराम राधा कृष्ण और स्त्री युद्ध कौशल राजनीति और सामाजिक जीवन में बराबर की सहभागी होती थी। 11 वीं से 18 वीं शताब्दी के काल को मध्यकाल कहा जाता है। इस काल को महिलाओं की दृष्टि से काला युग कहा जा सकता है। भारत में राजाओं की आपसी फूट का फायदा मुसलमानों ने उठाया और भारत देश पर अपना आधिपत्य कायम कर लिया। कुछ समय बाद बादशाहों द्वारा जोर जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाया गया तथा महिलाओं के साथ ज्यादतियों की शुरुआत हुई। बाल्यकाल में पिता के साथ युवावस्था में पति के साथ और वृद्धावस्था में पुत्र के संरक्षण में रहने का विधान भी इसी युग मैं दिया गया। इसी काल में महिला की स्थिति दयनीय बना दी गई। पर्दा प्रथा ने महिला को घर की चारदीवारी में कैद रहने के लिए मजबूर कर दिया और बाल विवाहों महिलाओं का बाहुल्य हो गया। शिक्षा के द्वार उसके लिए लगभग बंद कर दिए। मध्यकाल में महिलाओं की स्वतंत्रता सब प्रकार से छीन ली गई और उन्हें जन्म से मृत्यु तक पुरुषों के अधीन कर दिया गया। 19वीं से बीसवीं शताब्दी में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए विश्व के विभिन्न भागों में अनेक आंदोलन शुरू हुए। इस दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव 26 अगस्त 1920 को अमेरिका में महिलाओं को वोट देने का अधिकार संविधान संशोधन के तहत दिया गया। जिसके परिणाम स्वरूप महिला सशक्तिकरण बढ़ने लगा और एक स्वस्थ समाज की शुरुआत शुरू हुई। अनेक महापुरुषों ने महिला शिक्षा व सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई। विधवा विवाह को समाज में स्थापित किया। महिलाओं को समानता का अधिकार विभिन्न क्षेत्रों में दिए जाने की शुरुआत की गई। भारत में महिलाओं को शिक्षा का वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त है। धीरे धीरे परिस्थितियां बदल रही है। भारत में आज महिला आर्मी, एयरफोर्स, पुलिस, आईटी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। समाज, राजनीति, संगीत, साहित्य, शिक्षा और खेल जगत में महिलाओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। माता पिता बेटी बेटियों में कोई फर्क नहीं समझते हैं। लेकिन यह सोच समाज के कुछ वर्ग तक ही सीमित है। सही अर्थ में महिला सशक्तिकरण व समानता तभी सार्थक होगा, जब विश्व भर में महिलाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से संपूर्ण आजादी मिले। जहां उन्हें कोई प्रताड़ित नहीं करेगा जहां उन्हें दहेज के लालच में जिंदा नहीं जलाया जाएगा। कन्या भ्रूण हत्या नहीं होगी। जहां बलात्कार नहीं होगा। समाज के हर महत्वपूर्ण फैसलों में उनके नजरिए को महत्वपूर्ण समझा जाएगा। जहां वह सिर उठाकर अपने महिला होने का गर्व कर सके। ऐसे स्वस्थ समाज में ही महिला का सशक्तिकरण संभव है और महिलाओं के पक्ष में लिखते हुए मुझे गौरव का अनुभव हो रहा है। मातृशक्ति पुरुषों से कहीं अधिक हर कार्य में श्रेष्ठ और अग्रज रही रही है। मानव जीवन को दिशा और दशा दी। इसी को आत्मसात करना सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण व महिला समानता की दिशा में हम एक कदम आगे बढ़ पाएंगे।

लेखाराम बिश्नोई , लेखक एवं विचारक।

(चिंतन-मनन)

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर।

इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

विचार मंथन

भेदभावपूर्ण पूर्वाग्रहों से ग्रस्त दुनियां में नारी सम्मान की बात

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

महिला दिवस मनाने के लिए दुनियां आज इस कदर कतारबद्ध हो एकजुटता दिखा रही है, मानों जुल्म और ज्यादती की स्याह रात गुजरने वाली है और सुबह का सूरज तमाम महिलाओं को उनके अपने समानता के अधिकारों के साथ ही सुरक्षा और सम्मान का अधिकार देने वाला है। एक बारगी विचार करें तो पाएंगे कि यदि ऐसा हो जाए तो दुनियां की आधी से अधिक समस्याएं तो चुटकी बजाते ही समाप्त हो जाएंगी। कहने को तो हम उस युग से बहुत आगे निकल आए हैं जबकि परिवार में बेटी का पैदा होना अभिषाप माना जाता था। बेटी के जन्म लेते ही उसका गला घोंट दिया जाता था। इस अपराध के पीछे समाज में फैली अशिक्षा और आपराधिक प्रवृत्तियों का बोलवाला होना बताया जाता रहा है। सदियां गुजरीं हालात भी बदले, लेकिन जो सम्मान और समानता की महिलाएं और लड़कियां हकदार हैं उन्हें वह आज तक हासिल नहीं हुआ। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का विषय भी सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए - अधिकार, समानता और सशक्तिकरण की याद दिलाने का काम कर रहा है। इससे पहले सभी धर्मग्रन्थ बता चुके हैं कि जहां नारी का सम्मान होगा वहां देवता का वास होगा। मॉ के कदमों तले जन्नत का आखिर मतलब क्या है? क्या यह नारी के सम्मान और उसके अधिकार पर मोहर लगाने जैसा आर्ष वाक्य नहीं है। काश के इन्हीं पर अमल कर लिया जाता तो शायद नारी के खिलाफ होने वाले आधे से अधिक अपराध भी खत्म हो हो जाते। शास्त्र कहते हैं- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:॥ अर्थात् जिस स्थान पर स्त्रियों को पूजा जाता है और उनका सम्मान व सत्कार होता है, उस स्थान पर देवता प्रसन्न रहते हुए सदा वास करते हैं और जहां ऐसा नहीं होता, वहां सभी धर्म और कर्म निष्फल हो जाते हैं। नारी को संपूर्ण सृष्टि का आधार यूं ही नहीं कहा गया है। वह नवजीवन का संचार करती है, प्रेम की मूर्ति और घर-परिवार में रिश्तों को संवारने वाली अदम्य शक्ति की पर्याय होती है। भारतीय संस्कृति में तो नारी को शक्ति, ममता और त्याग समेत अन्य रुपों में पूजने का विधान है। इससे स्पष्ट है कि सदियों से नारी के महत्व और उसके सम्मान को रेखांकित किया जाता रहा है, लेकिन जब बात धरातल में सत्य खोजने की आती है तो वही ढाक के तीन पांत वाली कहावत चरितार्थ हो जाती है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें पूर्वाग्रह और भेदभाव से मुक्त दुनिया के लिए प्रयास करने की याद दिलाता नजर आ रहा है। एक बार फिर बतलाया जा रहा है कि लैंगिक समानता हासिल करने के लिए अथक प्रयासों और लगातार कार्रवाई करने के साथ ही समाज में जागरूकता और नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। इसमें दो राय नहीं कि आज के आधुनिकतम समाज की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं, और लगातार आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी अनेक चुनौतियाँ हैं, जो उनकी प्रगति के रास्ते में रोढ़ा बनकर खड़ी हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज के इस पढ़े-लिखे समाज में भी महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में लैंगिक भेदभाव के साथ ही शिक्षा में असमानता देखने को मिल ही जाती है। दहेज प्रथा जैसी कुरीति पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और न ही बाल विवाह जैसी बुराइयां ही पूरी तरह नष्ट हो पाई हैं। बावजूद इसके जिन महिलाओं ने राष्ट्र और विश्व स्तर पर अपने सदकार्यों से नाम कमाया और दुनियां को अपना लोहा मनवाया उन्हें सलाम है। ऐसी नारी शक्ति वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का काम करती हैं। ऐसी ही नारी शक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति में भागीदारी, आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नीतियों, कार्यक्रमों और निवेशों का मार्गदर्शन करती है।

इन शक्तियों का सम्मान तो होना ही चाहिए। इन सब के बीच संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन द्वारा बीजिंग घोषणा-पत्र की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर जो अभियान चलाए जा रहे हैं उनकी अपनी उपयोगिता है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि 1995 से अब तक महिलाओं के अधिकारों में काफी सुधार हुआ है, लेकिन आज भी कई जगहों पर महिलाओं की स्वतंत्रता और समानता पर खतरा बना हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई । जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। रिलायंस ने इस संयुक्त उपक्रम के लिए 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डीएचएल जर्मनी में इस वर्ष लगभग 8,000 लोगों की छंटनी करेगी। कंपनी 2027 तक एक अरब यूरो की बचत करने की योजना बना रही है और उसी रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है। डीएचएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कुल कार्यबल का एक फीसदी हिस्सा छंटनी का शिकार होगा।

एसआईपी खातों के समय से पहले बंद होने की दर 48 फीसदी

मुंबई । घरेलू म्युचुअल फंड उद्योग में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के पंजीकरण में तेजी से वृद्धि के बावजूद एसआईपी खातों को समय से पहले बंद करने की दर भी बढ़ रही है। साल 2023 में 3.48 करोड़ नए एसआईपी पंजीकरण हुए लेकिन 2024 के अंत तक इनमें से केवल 1.82 करोड़ एसआईपी खाते सक्रिय रहे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पंजीकरण के दो साल के भीतर लगभग 48 फीसदी एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके मुकाबले, 2022 में पंजीकरण हुए 2.57 करोड़ एसआईपी खातों में से 42 फीसदी 2023 के आखिर तक बंद हो गए थे। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की मासिक रिपोर्ट से प्राप्त हुए हैं। एसआईपी के बारे में उद्योग और निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लाभ को देखते हुए, 3 साल से अधिक के निवेश को बरकरार रखना आदर्श माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में ऑनलाइन और फिनटेक प्लेटफॉर्मों की बढ़ती हिस्सेदारी के कारण एसआईपी खातों के बंद होने की दर में वृद्धि हो रही है। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से निवेश में आसान प्रक्रिया और बिना कमीशन वाले डायरेक्ट प्लान के कारण निवेशक तेजी से अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं।

लोअर स र्किट में जेनसॉल इंजीनियरिंग का शेयर

मुंबई । सौर ऊर्जा समाधान करने वाली जेनसॉल इंजीनियरिंग के शेयरों पर भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बीते तीन कारोबारी दिनों में लगातार लोअर सर्किट लगने के साथ आठ कारोबारी सत्रों में यह स्टॉक 42 फीसदी से अधिक गिर चुका है। इसी बीच कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के इस्तीफे की खबर सामने आई है। कंपनी ने गुरुवार देर शाम एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार उनका इस्तीफा 6 मार्च से प्रभावी हो गया है। उनकी जगह नया सीएफओ नियुक्त किया गया है, जो जेनसॉल ग्रुप में कॉरपोरेट फाइनेंस, रिस्क मैनेजमेंट और इंवेस्टर रिलेशंस जैसी भूमिकाएं निभा चुके हैं। रेटिंग एजेंसियों केयर और आईसीआरए ने लोन किश्तों के भुगतान में देरी के कारण जेनसॉल इंजीनियरिंग की क्रेडिट रेटिंग घटा दी, जिससे इसके शेयरों पर जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना। कंपनी का कहना है कि यह रेटिंग कटौती शॉर्ट-टर्म लिक्विडिटी मिसमैच के चलते की गई है लेकिन ग्राहकों से मिलने वाले पेमेंट्स के जरिए स्थिति में सुधार हो रहा है। इसके बावजूद निवेशकों की चिंता बरकरार है और शेयरों में गिरावट जारी है।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयू: वैष्णव

नई दिल्ली ।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोषं नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी

शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इसके साथ भारत ने जैसे चंद्रयान अभियान के लिए किया है, ऐतिहासिक मौके पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी तरक्की की दिशा में कदम बढ़ा सकती है।

30 हजार टैक्सपेयर्स ने 29,208 करोड़ की विदेशी संपत्तियों का खुलासा किया

नई दिल्ली ।

पिछले साल से संबंधित वित्तीय जानकारी प्राप्त करने के बाद, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने टैक्सपेयर्स को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान के परिणामस्वरूप, 6,734 टैक्सपेयर्स ने अपनी आवासीय स्थिति को बदलकर अनिवासी कर ली। सीबीडीटी ने 19,501 टैक्सपेयर्स को उच्च विदेशी खाता बैलेंस वाले एसएमएस और ईमेल भेजकर अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा के लिए आईटीआर में संशोधन करने का अनुरोध किया। जागरूकता सत्र और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान का संदेश फैलाने के लिए कई उपाय अभियान किए गए। अधिकारी ने बताया कि लगभग 62 फीसदी टैक्सपेयर्स ने, जिन्हें नोटिफिकेशन मिला, सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और स्वेच्छा से अपने आईटीआर संशोधित किए। इस वर्ष आयकर विभाग के पहले विश्वास के अनुसार टैक्सपेयर्स ने अपनी आयकर घोषणाओं में वृद्धि देखी।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

- कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

मुंबई । कारों व दोपहिया वाहन समेत विभिन्न प्रकार के वाहनों की मांग गिरने से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी की गिरावट के साथ 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बेचे गए थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई। इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के एक अे धिकारी ने बयान में कहा फरवरी में सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्यूंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े से पता चलता है कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ नंबर वन पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच सपाट बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को करीब-करीब सपाट बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मामूली बढ़त के साथ 74,347 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 74,586 अंक के उछाल और 74,038 अंक के निचले स्तर पर झूलने के बाद 7.51 अंक की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी50 भी गिरावट में खुला। कारोबार के दौरान इंडेक्स में उतार-चढाव देखने को मिला। अंत में निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर बंद हुआ। ब्रोडर मार्केटस निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में तेजी जारी रही और यह 0.67 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

शुक्रवार को बाजार में निफ्टी 50 में शामिल शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में दिखाई दी। जो 3.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुई। इसके बाद टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो और हिंडाल्को में 1.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं इंडसइंड बैंक, श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, बीपीसीएल और इंफोसिस निफ्टी 50 में शामिल सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर में शामिल रहे।

बात दें कि फरवरी में विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी जारी रही, लेकिन वित्तीय सेक्टर के दिग्गज शेयरों में बिकवाली की रफ्तार जनवरी की भारी निकासी के मुकाबले काफी धीमी रही। हालांकि इकनॉमिक ग्रोथ में सुस्ती की चिंता बनी हुई है। नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने वित्तीय सेक्टर के शेयरों से 69.91 अरब रुपये की बिकवाली की जो अहम क्षेत्रों से हुई निकासी में सबसे ज्यादा है। हालांकि जनवरी में हुई निकासी के मुकाबले इसमें खासी कमी आई है क्योंकि तब एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में 3 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की थी।

ट्रंप की ट्रेड नीति से बाजारों में उथल-पुथल

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन अपनी टैरिफ नीति को अंतिम रूप देते समय शेयर बाजार की प्रतिक्रियाओं को ध्यान में नहीं रखेगा। ट्रम्प की तेजी से बदलती व्यापार नीति ने बाजारों को उथल-पुथल कर दिया है। जिसके कारण दुनिया भर के बाजारों में हाहाकर मचा हुआ है।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत ?

एशियाई बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गई, जो वॉल स्ट्रीट पर देखी गई गिरावट के चलते आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ट्रंप की टैरिफ रियायतें निवेशकों को भरोसा दिलाने में विफल रहीं। अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों ने चिंताओं को और बढ़ा दिया, जिसने अर्थव्यवस्था पर ट्रंप की नीतियों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की है।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया

- तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

हैदराबाद ।

विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यामिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के

बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

महिलाएं बन रही हैं वित्तीय स्वतंत्र, एमएफ निवेश में दोगुनी वृद्धि

पिछले पांच वर्षों में म्युचुअल फंड में महिलाओं का निवेश हुआ डबल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता की एक नई कहानी उभरी है। अब महिलाएं सिर्फ बचत तक सीमित नहीं, बल्कि म्युचुअल फंड (एमएफ) में भी निवेश कर उनकी वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में कदम बढ़ रही हैं। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में म्युचुअल फंड में महिलाओं का निवेश डबल हो गया है। महिलाएं अब म्युचुअल फंड के साथ वित्तीय स्वतंत्रता के सफर पर आगे बढ़ रही हैं। वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में महिलाओं का निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 तक महिलाओं के पास कुल व्यक्तिगत निवेशकों की 33 फीसदी एयूएम हिस्सेदारी है। महिलाओं का कुल म्युचुअल फंड निवेश 2019 में 4.59 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 11.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं ने इक्विटी म्युचुअल फंड्स को अपनी प्राथमिकता बनाया है, जो महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिलाएं अब वित्तीय निवेश के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए उत्साहित हो रही हैं। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं के म्युचुअल फंड निवेश में दिखाई देने वाली वृद्धि, पैसिव इन्वेस्टिंग के प्रति उनकी रुझानीकर दृष्टि और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर

- भारतीय रिफाइनर अब छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर कर रहा रुख

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा रूस के तेल व्यापार पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रूस से भारत आने वाले कच्चे चे तेल की आपूर्ति काफी घट गई है। फरवरी में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनर अब अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों के छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर रहे हैं। जनवरी में अमेरिका ने रूस के तेल व्यापार पर व्यापक प्रतिबंधों की घोषणा की/ इसमें 183 टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया गया था जो रूसी तेल ढो रहे थे। इसके अलावा दो रूसी तेल कंपनियों और रूसी बीमा कंपनियों पर भी बैन लगाए थे। इन प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरों के लिए मास्को के कच्चे तेल की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करना मुश्किल हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारत अब कच्चे चे तेल के अन्य स्रोतों की तलाश कर रहा है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरातसे तेल आयात में गिरावट आई। वहीं फरवरी में इराक से तेल आयात 5.5 फीसदी बढ़कर 1.09 मिलियन बीपीडी हो गया, जबकि सऊदी अरब से आयात 6 फीसदी से अधिक घटकर 679,372 **bpd** रह गया. भारत का **UAE** से तेल आयात फरवरी में 22 फीसदी से अधिक घटकर 342,076 बीपीडी रह गया। दूसरी ओर भारत के तेल आयात के अपेक्षाकृत छोटे स्रोतों जैसे ब्राजील, नाइजीरिया, कोलंबिया, वेनेजुएला, मेक्सिको, कतर, ओमान, अल्जीरिया, कांगो गणराज्य, लीबिया और गैबॉन से तेल आयात फरवरी में बढ़ गया. फरवरी में अर्जेंटीना भी भारत के कच्चे तेल के आयात स्रोतों के नक्शे पर दिखाई दिया, जिसने लगभग 25,000 **bpd** की आपूर्ति की।

सोना फिसला, 85,700 के करीब; चांदी भी हुई सस्ती

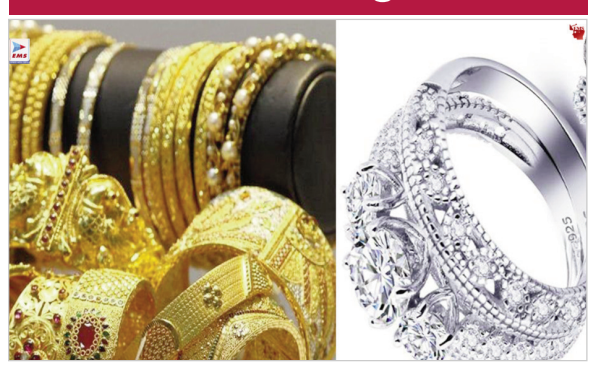

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 85,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 294 रुपये की गिरावट के साथ 85,740 रुपये के भाव पर खुला और 300 रुपये की गिरावट के साथ 85,734 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 185 रुपये की गिरावट के साथ 97,956 रुपये पर खुला। इस समय यह 249 रुपये की गिरावट के साथ 97,892 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,919.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 2,926.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,914.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.21 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.33 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 33.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी वोल्वो कार इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप 7-सीटर एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर में कई अपडेट किए गए हैं, जिससे यह और भी प्रीमियम और आधुनिक बन गई है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 1,02,89,900 (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो इसके पिछले मॉडल की तुलना में रुपए2 लाख अधिक है। एक्स सी 90 के नए वर्जन में फ्रंट ग्रिल को रिफ्रेश किया गया है, जिसमें क्रोम एक्सेंट जोड़ा गया है। इसके अलावा, नए मैट्रिक्स-डिज़ाइन एलईडी हेडलैम्प्स और संशोधित टेललैम्प्स इसे पहले से ज्यादा आकर्षक बनाते हैं।

एसयूवी के फ्रंट और रियर बंपर भी अपडेट किए गए हैं। यह 20-इंच के ब्लैक डायमंड-कट मल्टी-स्पोक एलॉय व्हील्स, एल्युमीनियम रूफ रेल्स और पैनोरमिक सनरूफ के साथ आती है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें ग्रेनड चारकोल डैशबोर्ड और नॉर्डिको अपहोल्स्ट्री का इस्तेमाल किया गया है, जो प्रीमियम लुक देता है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से इसमें 360-डिग्री कैमरा, सभी तरफ़ पार्क असिस्ट और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) शामिल हैं। यह 2.0-लीटर पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड इंजन के साथ आती है, जो 250एचपी की पावर और 360एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है।

इसमें 48वी बैटरी, 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और ऑल-व्हील-ड्राइव (एडब्ल्यूडी) सेटअप दिया गया है। यह 7.7 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 180 किमी/घंटा है। इसमें वेंटिलेटेड और मसाज फ़ंक्शन वाली पावर्ड सीटें, चार-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, 12.3-इंच ड्राइवर डिस्प्ले और बिल्ट-इन गूगल इंटीग्रेशन के साथ 11.2-इंच का टचस्क्रीन दिया गया है। शानदार ऑडियो अनुभव के लिए इसमें 19-स्पीकर बोवर्स और विल्किंस साउंड सिस्टम दिया गया है।

देश में एआई डेवलपमेंट के लिए चाहिए बड़ा निवेश: बंसल

नई दिल्ली ।

फ्लिपकार्ट के को-फाउंडर और टेक दिग्गज सचिन बंसल ने कहा कि भारतीय कंपनियों के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फाउंडेशन मॉडल और लार्ज लैंग्वेज मॉडल डेवलप करने का बड़ा अवसर है। हालांकि, इसके लिए भारी कैपिटल इन्वेस्टमेंट, प्रतिबद्धता और कुशल प्रतिभा की जरूरत होगी। बंसल ने गुरुवार रात आयोजित बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में कहा कि मैं इस बारे में काफी सोचता हूं, लेकिन एलएलएमएस बनाने को लेकर चुनौती ये है कि यह एक फुल टाइम जॉब है, इसे साइड प्रोजेक्ट की तरह नहीं किया जा सकता। इसके लिए बहुत ज्यादा पैसे की जरूरत होती है। अगर आप टैलेंट और पैसा एक साथ ला सके हैं यह एक मौका है और भारतीय ऐसा कर सकते हैं। सचिन बंसल ने प्रतिभा पलायन यानी भारतीय टैलेंट का विदेशों में जाने को एक बड़ा चैलेंज बताया है। बंसल ने कहा कि मैंने आईआईटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन किया, और मेरे बैच के 80 फीसदी लोग भारत से बाहर हैं। वे या तो प्रोफेसर हैं, या गूगल जैसी कंपनियों में एआई पर काम कर रहे हैं, या फिर अपना स्टार्टअप चला रहे हैं। हमारा बेस्ट टैलेंट

अमेरिका चला जा रहा है इसके विपरीत, चीन और ताइवान में प्रतिभाशाली लोग वापस आकर घरेलू टेक प्लेटफॉर्म बना रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में भारतीय टीम पर भारी पड़ी है न्यूजीलैंड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में , न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी है। उसने लीग स्तर के मुकाबले में कीवी टीम को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डाले तो कीव टीम का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि आज तक तीन बार दोनो टीमों के बीच नॉकआउट मुकाबला हुआ है जिसमें तीनो ही बार न्यूजीलैंड, जीती है। दोने के बीच अब तक आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी, एकदिवसीय विश्व कप 2019 सेमीफाइनल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में टक्कर हुई है। इसमें हर बार भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस बार हालांकि हालात भारतीय टीम के पक्ष में दिख रहे हैं क्योंक उसने अब तक खेल के सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम लगातार दुबई में खेलने से हालातों क अनुसार ढ़ल गयी है। वहीं कीवी टीम ने अबतक अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेले हैं।

दोनो ही टीमें सबसे पहले आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी 2000 के फाइनल में भिड़ी थीं तब न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से मुकाबला जीता था। उस मैच में भारतीय टीम ने सौरव गांगुली (117) और सचिन तेंदुलकर (69) की शानदार पारी की मदद से भारत ने 50 ओवरों में 264/6 रन बनाए। वहीं इसके बाद क्रिस केर्न्स की नाबाद 102 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने 2 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया।चैंपियंस ट्रॉफी को ही पहले आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट कहा जाता था

वहीं इसके बाद साल 2019 में एकदिवसीय विश्वकप में दोनो की टक्कर हुई थी। तब न्यूजीलैंड 18 रन से जीती थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 239 रन बनाये थे। बारिश के कारण भारतीय टीम को 49 ओवर में संशोधित 240 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 49.3 ओवर में 221 बनाये थे।इसके बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में भी भारतीय टीम आठ विकेट से हारी थी।

हरमनप्रीत कौर पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ डब्ल्यूपीएल मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के चलते फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगा है। यह मुकाबला भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। डब्ल्यूपीएल के बयान के अनुसार, हरमनप्रीत ने आर्टिकल 2.8 के लेवल 1 उल्लंघन को स्वीकार किया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से जुड़ा है। मैंच के दौरान घटना आखिरी ओवर के दौरान हुई, जब ऑन-फील्ड अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर धीमी ओवर गति के कारण फील्डिंग प्रतिबंध लगाया था। नियम के तहत टीम को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन फील्डर रखने की अनुमति थी। फैसले से नाखुश होकर हरमनप्रीत अंपायर अजितेश अर्गल से बहस करने लगीं।

हरमनप्रीत की नाराजगी के बीच मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमेलिया केर भी फैसले से नाराज दिखीं। इसी दौरान इंग्लैंड की खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन, जो नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़ी थीं, वे भी अंपायर से चर्चा करने पहुंच गईं। इसके बाद हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच गर्मागर्म बहस हो गई, बहस के दौरान हरमनप्रीत उन्हें उंगली उठाकर कुछ कहते हुए नजर आईं। मामला बढ़ता देख अंपायरों ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद एक्लेस्टोन नॉन-स्ट्राइकर एंड पर लौट गईं, हालांकि वे इस फैसले से असंतुष्ट दिखीं। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। डब्ल्यूपीएल के नियमों के अनुसार, लेवल 1 उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है।

वहीं मैंच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की। केर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट (5/38) चटकाए, जिससे यूपी वॉरियर्स की टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद हेली मैथ्यूज ने 46 गेंदों में 68 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

अमेलिया केर इस सीजन में पांच विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं और उन्होंने डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया।

बेन स्टोक्स को मिल सकती है इंग्लैंड टीम की कप्तानी, ईसीबी के निदेशक का पूर्ण समर्थन

लंदन (एजेंसी)। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं और ईसीबी के निदेशक रॉब की ने कहा कि खुद को 'अविश्वसनीय रणनीतिकार' साबित कर चुके इस करिश्माई हरफनमौला के नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख ही होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाले के बाद बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली। 33 बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापस ले लिया था।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरूष क्रिकेट निदेशक की ने कहा, 'बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा।' उन्होंने कहा, 'वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है। वह ऐसा इंसान है जो दबाव के हालात में खिलाड़ियों की ढाल बनकर उन्हें खुद पर भरोसा रखने में मदद करता है।'

स्टोक्स इस समय अबुधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और भारत के खिलाफ जून से अगस्त तक होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे। इस समय यूएई में मौजूद की का मानना है कि स्टोक्स में वनडे टीम में जोश का संचार करने की क्षमता है जो उसने टेस्ट टीम के साथ किया।

स्टोक्स का कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ भी अच्छा तालमेल है जिससे उनकी दावेदारी को बल मिलता है। वैसे मैकुलम के सीमित ओवरों का प्रभार भी संभालने के बाद से इंग्लैंड ने 11 में से 10 मैच गंवाए हैं। वहीं 2022 से इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट जीते हैं।

रोहित को लंबी पारी खेलने पावर प्ले में अपना रवैया बदलना होगा: गावस्कर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी में अब तक बड़ स्कोर नहीं बना पाये हैं। ऐसे में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित को पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाज की जगह पर लंबी पारी खेलनी चाहिये। वहीं कोच गौतम गंभीर ने रोहित के आक्रामक रवैये का बचाव किया है। गंभीर ने कहा कि हम औसत या रन नहीं देखते, बल्कि इंटेंट देखते हैं जबकि गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में है और हर किसी को रोहित से एक बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गंभीर ने सेमीफाइनल के बाद कहा था कि ड्रेसिंग रूम रोहित को आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि शीर्ष पर अपनी धमाकेदार शुरुआत से पैदा होने वाले इम्पैक्ट के आधार पर आंकता है। दूसरी ओर गावस्कर ने कहा कि रोहित को अपने रवैये पर फिर विचार करना चाहिए, उन्होंने कहा कि कप्तान के पास अकेले ही मैच को प्रभावित करने की क्षमता है। ऐसे में अगर वह 20 से 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो अकेले ही मैच बदल सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 104 रन 100 के आसपास के स्ट्राइक रेट से बनाने वाले रोहित ने अब तक इस टूर्नामेंट में एक बार 41 रन बनाये हैं अन्य मैचों में उनका स्कोर और कम है। हालांकि, एक बात जरूर है कि वे जिस मैच में तेज शुरुआत देते हैं, उसका लाभ मध्य क्रम को मिलता है। भारतीय टीम को रोहित के इस आक्रामक रवैये का लाभ विश्व कप कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 में मिला। ये लगातार तीसरा टूर्नामेंट है, जहां वे आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं।

गावस्कर ने कहा, पिछले दो सालों से वह इसी दृष्टिकोण को अपना रहे हैं। इसकी शुरुआत भारत में विश्व कप के दौरान हुई थी और वह इसी फॉर्मूले पर टिके हुए हैं। उन्हें कुछ सफलता मिली है, हालांकि शायद उतनी नहीं जितनी उनकी प्रतिभा को मिलनी चाहिए। वह एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिनके पास ऐसे शॉट हैं जो खेल में बहुत कम लोगों के पास हैं। उन्होंने आगे कहा, इसे दर्शकों को खुश करने के दृष्टिकोण से देखिए। मैं टीम के दृष्टिकोण से नहीं बोल रहा हूं। अगर वह 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं, तो भारत 180-200 के आसपास होगा। कल्पना करें कि अगर

उन्होंने तब तक बल्लेबाजी की और केवल दो विकेट खोए हैं; जरा सोचें कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 या उससे अधिक तक पहुंच सकते हैं।

विलियमसन ने भारतीय टीम को चेताया, फाइनल में कुछ भी हो सकता है

लाहौर। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने रविवार को भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल को लेकर कहा कि इसमें कुछ भी हो सकता है। विलियमसन ने भारत को बेहतरीन टीम बताया पर साथ ही साथ फाइनल में कुछ भी हो सकता है। इससे एक प्रकार से उन्होंने भारतीय टीम को चेताया है। कहते हुए स्तर्क भी कर दिया है। विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कहा, भारत एक बेहतरीन टीम है और वास्तव में अच्छा खेल रही है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम पिछले मैच से कुछ सीख लें जिसमें हमें भारतीय टीम ने हराया था। विलियमसन ने माना कि दुबई की परिस्थितियां पाकिस्तान से काफी अलग हैं। उन्होंने कहा, परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उन सकारात्मक पहलुओं को ध्यान में रखें और फाइनल में किस प्रकार से खेलना है इसपर ध्यान दें। इस बारे में हमें अपन रुख स्पष्ट रखना होगा। हमें अपना ध्यान जल्दी से अगले मैच पर लगाना होगा क्योंकि हमारे पास ट्रॉफी जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने सेमीफाइनल में शतक के लिए रचिन रविंद्र की भी प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा, राचिन एक असाधारण प्रतिभा है। उसके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा शानदार होता है। वह मैदान पर निडर होकर उतरता है और टीम की जरुरत के अनुसार खेलता है।

कीवी कप्तान सेंटनर ने खुद बताया, पार्ट टाइम क्रिकेटर, फुल टाइम गोल्फर

दुबई। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेलने के लिए खेलने को तैयार है। 9 मार्च को दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मिचेल सेंटनर की कप्तानी में खेल रही है। वे खुद को पार्ट टाइम क्रिकेटर मानते हैं। सेंटनर ने लिखा है, पार्ट टाइम न्यूजीलैंड क्रिकेटर, फुल टाइम गोल्फर। सेंटनर को गोल्फ खेलने का काफी शौक है। क्रिकेट से जब भी समय मिलता है वह गोल्फ खेलने पहुंच जाते हैं। बात दें कि सेंटनर का भारत के खिलाफ दमदार रिकॉर्ड है। 2019 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मुकाबला कोई भी भारतीय फैन नहीं भूल सकता। मैच में सेंटनर ने 10 ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या के बड़े विकेट लिए थे। 2021 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने 4 ओवर में 15 रन दिए थे। तब मैच दुबई के मैदान पर ही हुआ था।

रोहित शर्मा को मोटा कहने वाली कांग्रेस नेता शमा ने किया शमी का बचाव

नई दिल्ली। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की एनर्जी ड्रिंक पीते हुए फोटो सामने आने के बाद काफी बवाल मचा हुआ है। कुछ लोगों का कहना है रमजान के दौरान शमी ने रोजा न रखकर गलत किया है। वहीं, अब इस विवाद में शमा मोहम्मद भी कूद पड़ी हैं। शमा मोहम्मद वही कांग्रेस नेता हैं जिन्होंने कुछ दिन पहले रोहित शर्मा को मोटा कहा था। शमा मोहम्मद ने मोहम्मद शमी वायरल फोटो पर उनका बचाव किया है। उन्होंने इस्लाम का हवाला देते हुए कहाकि मोहम्मद शमी ने कुछ भी गलत नहीं किया है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में मोहम्मद शमी की फोटो आई थी जिसमें वह एनर्जी ड्रिंक पीते नजर आ रहे हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक तबका शमी को ट्रोल कर रहा है। मोहम्मद शमी से जुड़े इस विवाद पर शमा मोहम्मद ने भी अपनी राय रखी है। शमा ने कहा है कि इस्लाम में रमजान के लिए एक खास बात है। जब हम यात्रा में होते हैं तो रोजा रखने की जरूरत नहीं। शमी अभी यात्रा कर रहे हैं। वह अपने घर पर भी नहीं हैं। वह एक ऐसा खेल खेल रहे हैं, जिसमें उन्हें काफी प्यास लग सकती है। शमा ने आगे कहाकि कोई भी यह नहीं कहता है कि जब आप खेल रहे हों तब भी रोजा रखें। आपके कर्म ज्यादा मायने रखते हैं। इस्लाम एक वैज्ञानिकतापूर्ण धर्म है।

सीनियर स्तर पर शानदार पदार्पण के बाद साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है। सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3.4 से हार गया था।

साक्षी ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।'

उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैंने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैंने शॉट लिया और जब हर कोई चिल्लाने लगा तो मुझे अहसास हुआ कि गोल हो गया है।' साक्षी ने कहा, 'मैंने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे लगा कि रफ्तार कितनी अहम है। मुझे मैदान पर तेज रफ्तार रहना होगा चूंकि मैं फॉरवर्ड पंक्ति में हूं। अब मैं इस पर काम कर रही हूं।'

साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत को एक और पदक दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हूं।'

बाबर आजम टीम से हुए बाहर, दुखी पिता को वापसी की पूरी उम्मीद

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खराब प्रदर्शन का खामियाजा बाबर आजम को भुगतना पड़ रहा है। वे वनडे फॉर्मेट में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी के 5 मैचों में 122 रन ही बना सके थे। इसकारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाबर को न्यूजीलैंड दौरे के लिए जारी टी20 टीम से बाहर कर दिया है। खराब फॉर्म के चलते बाबर को अपने देश में ही क्रिकेट प्रशंसकों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच टी20 टीम से बाहर होने पर बाबर के पिता भी दुखी दिखाई दिए हैं। बाबर के पिता आजम सिद्दीकी ने पोस्ट किया कि अगर कोई जवाब देता है, तब उनकी आलोचना करने वाले पूर्व क्रिकेटर बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। आजम ने उन लोगों पर सवाल उठाया जिनका खुद का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। आजम ने कहा कि उनके खेलने के दिनों में उनका प्रदर्शन कैसा था? लोग कहते हैं कि एक पिता बहुत ज्यादा बोलता है, लेकिन मैं बाबर का पहला और आखिरी कोच हूं। मैं उसका प्रवक्ता और संरक्षक हूं और उसका सबसे सच्चा शुभचिंतक हूं। आजम सिद्दीकी ने कहा कि उनका बेटा पीएसएल और नेशनल टी20 कप में अच्छा प्रदर्शन कर टी20आई टीम में वापसी करेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की वनडे टीम

मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा (उप-कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सुफियान मोकीम और तैय्यब ताहिर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम और उस्मान खान शामिल है।

कुलदीप की जगह इस गेंदबाज को मौका दे सकता है भारतीय टीम प्रबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन अब टीम प्रबंधन एक अहम बदलाव की तैयारी में है। गेंदबाजी लाइनअप में एक नया खिलाड़ी शामिल हो सकता है, जिससे टीम की गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन मैंच में कुछ कमियां भी सामने आईं। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव उतने प्रभावी नहीं दिखे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की कमी महसूस हुई। यह ध्यान में रखते हुए फाइनल मुकाबले में कुलदीप की जगह हर्षित राणा को मौका मिल सकता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी टीम इंडिया की सलामी जोड़ी रोहित शर्मा और शुभमन गिल ही होगी। हालांकि, सेमीफाइनल में यह जोड़ी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी थी, लेकिन फाइनल में दोनों से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। वहीं विराट कोहली इनदिनों बेहतरीन फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल के हीरो भी थे। वहीं, चौथे स्थान पर श्रेयस अय्यर की जगह पक्की है। टीम के मिडिल ऑर्डर में ज्यादा बदलाव नहीं किया जाएगा। नंबर 5 पर अक्षर पटेल की जगह तय हैं, जो एक उपयोगी स्पिन ऑलराउंडर हैं। वहीं, विकेटकीपर की भूमिका केएल राहुल निभाएंगे। ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा टीम में मौजूद रहने वाले हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं।

वहीं टीम प्रबंधन यादव की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को मौका दे सकता है। इसके अलावा, स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया जाएगा, जो विपक्षी टीम के बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। मोहम्मद शमी अपनी बेहतरीन फॉर्म के चलते प्लेइंग 11 में बने रहने वाले है।

फाइनल के लिए संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती शामिल है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कई रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली अब गेल का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

-9 मार्च को दुबई में न्यूजीलैंड से होना है टीम इंडिया का मुकाबला

दुबई। विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार पारियां खेल कर साबित कर दिया है कि जब मसला रनचेज का हो तो उनसे बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं है। अब कोहली की नजर फाइनल पर टि?की है जो 9 मार्च यानी रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले इस फाइनल में विराट कोहली वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़कर अपना नाम रिकॉर्डबुक में लिखवाना चाहते हैं। वहीं कोहली रनचेज करते हुए 8 हजार से ज्यादा रनों का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कोहली ने चैम्पि?यंस ट्रॉफी में 17 मैचों में 746 रन बनाए हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। ओवरऑल अब वह क्रिस गेल के पीछे हैं, जिन्होंने 17 मैचों में 791 रन बनाए हैं यानी कोहली फाइनल में 46 रन बनाते ही क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। तीसरे नंबर पर इस सूची में श्रीलंका के महेला जयवर्धने हैं, जिनके नाम 22 मुकाबलों में 742 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले किसी आईसीसी इवेंट में कोहली के नाम अब 50 प्लस का स्कोर 24 बार हो चुका है, जो किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। चैम्पि?यंस ट्रॉफी में कोहली ने सातवीं बार 50 प्लस का स्कोर बनाया है, यह भी किसी एक खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। वहीं कोहली कुल 336 कैच ले चुके हैं, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। कोहली को मंगलवार को प्लेयर ऑफ द मैच मिला, जो किसी आईसीसी इवेंट में 15वीं बार था।

भारतीय टीम को लेकर बना रहा ये अजब संयोग, चिंतित हुए भारतीय खेलप्रेमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच दुबई में 9 मार्च को खेला जाएगा है। भारत के सामने न्यूजीलैंड की टीम होगी। लेकिन फाइनल मैच से पहले एक ऐसा संयोग बना है, जिससे भारतीय खेलप्रेमियों के होश उड़ा गए हैं। असल में अभी तक दो बार ऐसा हुआ है, जब आईसीसी इवेंट्स में भारत ने लीग मैच में जिस टीम को हराया है, उसी के खिलाफ फाइनल खेला है। और दोनों ही बार भारतीय टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। गौर करने वाली बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी भारत ने न्यूजीलैंड को लीग स्टेज में हराया है। अब फाइनल मैच में दोनों फिर से आमने-सामने हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ 2017 चैंपियंस ट्रॉफी लीग स्टेज पर हराने और फाइनल में हारने का भारत का सिलसिला 2017 में शुरू हुआ था। तब भारत और पाकिस्तान ग्रुप बी में थे। लीग मैच में भारत ने पहले खेलकर 3 विकेट पर 319 रन बनाए थे। रोहित, शिखर, विराट और युवराज ने अच्छी पारियां खेली थीं। इसके बाद में पाकिस्तान 164 रन पर ऑलआउट हो गया था। लेकिन जब यही दोनों टीमें फाइनल में उतारी तब कहानी पूरी तहर से बदल गई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 338 रनों का भारी-भरकम लक्ष्य रखा। इसके सामने भारतीय टीम 158 रनों पर ऑलआउट हो गई। केवल हार्दिक पांड्या ने 70 रनों की पारी खेलकर थोड़ा सम्मान बच सके थे।

कुछ ऐसा ही मामला साल 2023 में खेले गए वनडे वर्ल्डकप में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच का यह मैच आईसीसी वर्ल्ड कप का 5वां मुकाबला था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी कर 199 रन बनाए थे। वहीं, भारत ने 201 रन बनाकर यह मैच जीत लिया था। भारत की ओर से कोहली ने 85 और केएल राहुल ने 97 रनों की पारियां खेली थीं। जबकि रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर जीरो पर आउट हो गए थे। बाद में दोनों टीमें टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ीं। 19 नवंबर को अहमदाबाद में जो हुआ उस मैंच को याद करके आज भी फैन्स की आह निकल जाती हैं। रोहित शर्मा की आंखों से निकलते आंसू भूलते नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

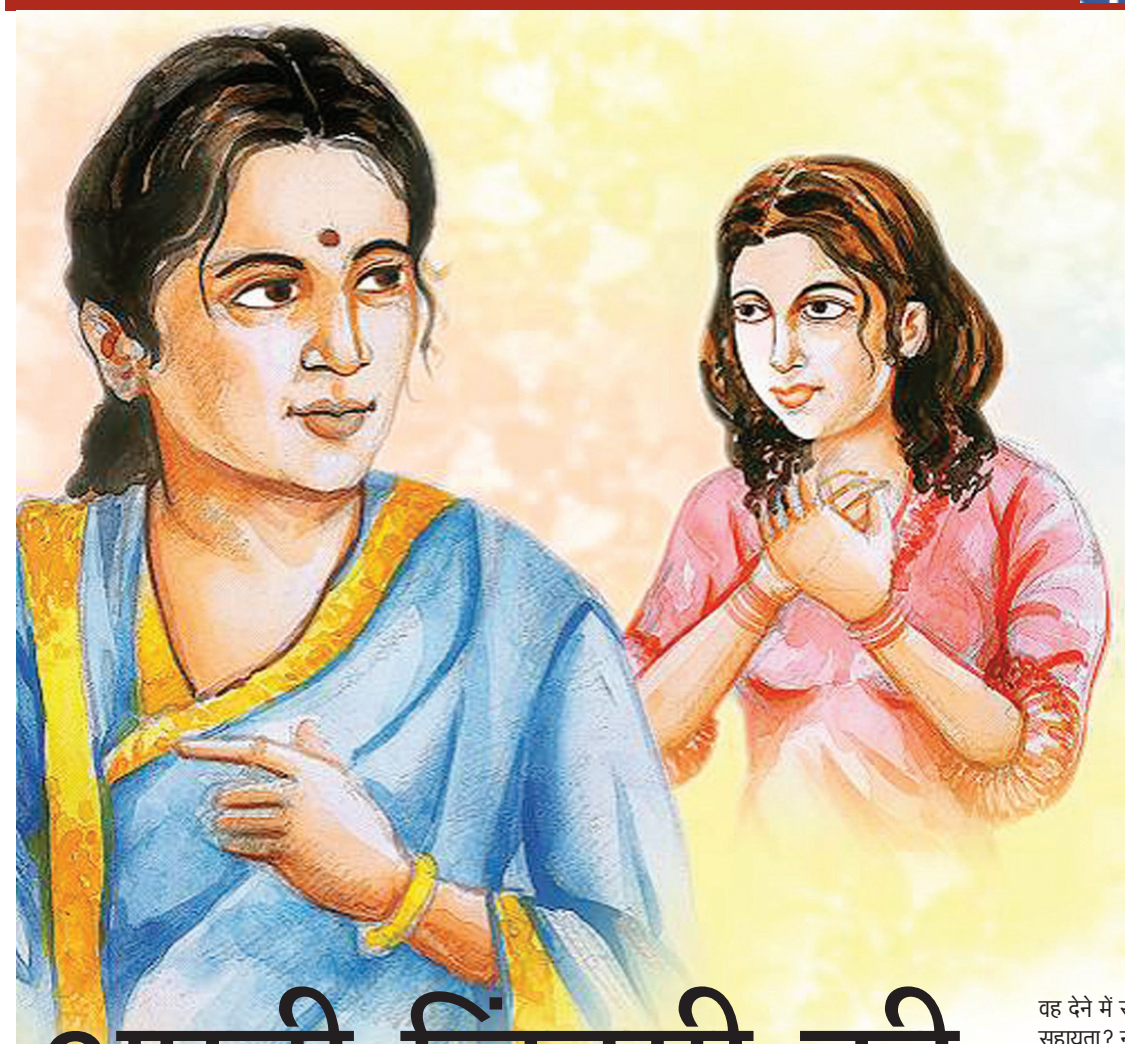

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किय जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था -

'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं -

'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मी,अनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था।

सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमें कोई संशय नहीं कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगीं, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती हैं। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुईं हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरुकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरुरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं।

इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धर्मांतरण विरोधी कानून पर भड़के अरुणाचल के ईसाई संगठन

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में हाल ही में धर्मांतरण के खिलाफ एक कानून बनाया गया। इसके खिलाफ अरुणाचल प्रदेश क्रिश्चियन फोरम के बैनर तले हजारों ईसाइयों ने गुरुवार को मोर्चा खोल दिया। ईटानगर के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश स्वतंत्रता धर्म अधिनियम, 1978 के लागू किए जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई।बता दें कि यह धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का चीन से सीमा संपर्क है और यहां हमेशा शांति बनी रही है, लेकिन इस कानून को लागू करने से राज्य में धार्मिक विभाजन बढ़ सकता है।एसीएफ के अध्यक्ष ताई मिरी ने कहा कि दो लाख से अधिक ईसाई विभिन्न संप्रदायों से ताल्लुक रखते हुए ईटानगर के पास बोरम में एकत्रित हुए। मिरी ने बताया कि पहले एसीएफ ने विधानसभा के पास घेराव करने का निर्णय लिया था, जहां वर्तमान में बजट सत्र चल रहा है। बाद में उन्होंने ईटानगर के एक टेनिस कोर्ट में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, जिसे प्रशासन ने अस्वीकार कर दिया।

मनमोहन सिंह स्मारक का रास्ता हुआ साफ, परिवार ने स्वीकारी आवंटित भूमि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार ने राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर उनके स्मारक के लिए सरकार द्वारा आवंटित भूमि को स्वीकार कर लिया है। यह स्मारक दिल्ली के राज घाट के पास समाधि परिसर में 900 वर्ग मीटर के भूखंड पर बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते, सिंह की बेटियां उपिंदर सिंह और दमन सिंह अपने जीवनसाथी के साथ इस भूखंड का जायजा लेने गई थीं। इसके बाद, पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर ने सरकार को एक औपचारिक स्वीकृति पत्र भेजा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समाधि परिसर में अब केवल दो खाली हिस्से बचे हैं। इस साल जनवरी में, एक भूखंड पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के परिवार को देने का प्रस्ताव रखा गया था। वहीं, दूसरा हिस्सा जो 900 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का है और परिसर के मध्य में स्थित है, मनमोहन सिंह के परिवार को प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का यह स्मारक उनकी सादगी, नेतृत्व और भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान का प्रतीक होगा।

देसी हथियार जमा कर रहे मणिपुर के उग्रवादी, 3 हजार से ज्यादा घातक हथियार गायब

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में चल रहे हथियार जमा करने के अभियान में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। राज्य में पिछले कुछ समय से जारी अशांति के दौरान विभिन्न पुलिस थानों और हथियार भंडारों से लूटे गए लगभग 6,000 हथियारों में से अब तक केवल 3,000 ही जमा किए जा सके हैं। यह आंकड़ा राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है।बता दें कि मणिपुर में अवैध रूप से प्राप्त किए गए हथियारों और गोला-बारूद को आत्मसमर्पण करने की समयसीमा 6 मार्च को समाप्त हो गई। अब तक केवल 3,000 हथियार और 37,000 राउंड गोला-बारूद बरामद हुए हैं।हालांकि, यह संख्या मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा के दौरान पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों से लूटे गए हथियारों की तुलना में बहुत कम है। अनुमान के मुताबिक, विभिन्न समूहों ने पुलिस के शस्त्रागारों से 6,000 से अधिक हथियार और करीब 6 लाख राउंड गोला-बारूद लूटे थे। इनमें अत्याधुनिक राइफलें, ग्रेनेड और मोर्टार जैसे घातक हथियार शामिल थे। इस हिंसा ने राज्य में भारी तबाही मचाई, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 40,000 लोग विस्थापित हुए। इसके मुकाबले 20 फरवरी से 6 मार्च के बीच आत्मसमर्पण किए गए हथियारों की संख्या बेहद कम रही। हाल ही में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से जमा करें। इस अपील के तहत 20 फरवरी से शुरू हुए अभियान में गुरुवार, 6 मार्च तक 1,044 हथियार और 14,779 गोला-बारूद जमा किए गए। हालांकि, यह संख्या कुल लूटे गए हथियारों का केवल आधा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 3,000 से अधिक हथियार लापता हैं, जो राज्य में शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में युवती का सिर कटा शव बरामद

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नानपारा कोतवाली पुलिस इलाके के एक गांव में शुक्रवार सुबह नहर के करीब एक युवती की सिर कटी लाश मिली, जिसकी उम्र करीब 20 वर्ष आंकी गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चूंकि शव का सिर गायब है, इसलिए अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। नानपारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रद्युम्न कुमार सिंह ने पीटीआई-को बताया, ''कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में सरयू नहर की पटरी के निकट शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवती की सिर कटी लाश देखी। लाश का सिर गायब था।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। सिर गायब होने के कारण उसकी शिनाख्त में कठिनाई आ रही है।'' सिंह ने बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश कर रही है।

होली के अवसर पर रेलवे चलाएगा 250 से अधिक स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने 250 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। होली पर उत्तर रेलवे की तैयारियों को लेकर उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि सनातन धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक होली का पर्व है। घर से दूर काम या व्यवसाय करने वाले कई लोग घर पर अपनों के साथ होली का त्योहार मनाना चाहते हैं। इसके लिए उत्तर रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। हर बड़े स्टेशन जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर जहां बड़ी संख्या में लोग ट्रेन पकड़ने आते हैं, वहां पुख्ता व्यवस्था की गई है।

स्टालिन के हिंदी विरोध की आग कर्नाटक तक पहुंची, त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध की उठने लगी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध की जो आग सुलगाई थी, उसका धुंआ अब दूसरे राज्यों में भी दिखने लगा है। अब कर्नाटक में भी त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध होने लगा है। कर्नाटक डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने राज्य के सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा है कि वे द्विभाषा नीति को ही लागू करें। अथॉरिटी प्रमुख पुरुषोत्तम बिलिमाले ने लिखा कि राज्य को दो भाषाओं की ही जरूरत है। इसमें हिंदी को शामिल नहीं करना चाहिए। कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल्स-2017 के अनुसार प्रदेश में पढ़ने वाले सभी बच्चों को दूसरी भाषा के तौर पर कन्नड़ सीखनी होगी। यही नहीं एक अधिकारी ने कहा कि देश में भाषाई असमानता की स्थिति है। क्षेत्रीय भाषाओं की गरिमा किसी भी तरह से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं सीएम सिद्धारमैया ने भी हिंदी भाषा थोपने के खिलाफ अपनी आवाज तेज करनी होगी। इस विवाद के बीच सीएम एमके स्टालिन ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आखिर हिंदी के अलावा अन्य किसी भाषा के लिए दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस के अलावा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य 21 भाषाओं के लिए कोई दिवस निर्धारित क्यों नहीं है। डीएमके के कार्यकर्ताओं को स्टालिन ने एक पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, हम हमेशा हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। इसमें वे लिखते हैं कि क्या हिंदी की तरह अन्य 21 भाषाओं के लिए भी कोई सेलिब्रेशन डे है? आखिर हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साथ ऐसा पक्षपात क्यों हो रहा है।

आखिर करेंसी नोट में छपी सभी भाषाओं को देश की आधिकारिक भाषा घोषित रने में सरकार को किस चीज की हिचक है। स्टालिन ने अपने पत्र में लिखा कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के दिलों में तमिल के लिए जगह है, तब फिर तमिल को आधिकारिक भाषा क्यों नहीं घोषित किया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ का बिखराव सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं हुआ था। इसका एक कारण यह भी था कि देश पर रूसी भाषा थोपी जा रही थी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को नजरअंदाज किया गया। इसके चलते जब सोवियत संघ टूट गया। लेकिन आज वहीं रूसी लातविया जैसे देश में रूसी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतिहास में इसतरह के कई उदाहरण हैं, जब लोगों पर भाषा थोपने के कारण बिखराव हो गया। उन्होंने कहा कि मैं इसतरह के कई उदाहरण गिना सकता हूं, जब ऐसी नीतियों के चलते देश ही टूट गए। बता दें कि नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर बात कही गई है, जिसका विरोध शुरू हो गया है। सबसे पहले तमिलनाडु से ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी और अब कर्नाटक ने भी ऐसी ही राय जाहिर की है।

किसान संगठनों का ऐलान, 10 मार्च को आप के सभी विधायकों के घरों का घेराव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के तमाम संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। अब तक मोदी सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आप के विधायकों के घरों का घेराव करने वाले है। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वहां बिल्कुल ठीक नहीं था। किसान नेता लाखोवाल ने कहा कि मान सरकार से असहमति जताने के लिए आप के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार होगा। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह थी कि मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई।

जेनेरिक दवाओं के कारण परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ : नड्डा

-अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने स्वास्थ्य सेवा को बदलकर रख दिया है। इसका मूल मंत्र सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली किफायती दवाइयां उपलब्ध कराना हैं। नड्डा ने कहा कि देश भर में 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के साथ, यह योजना रोजना 10 लाख लोगों की मदद करती है। जन औषधि केंद्रों पर लोगों को दवाइयां बाजार से 50 से 90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं, इससे अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे अनगिनत परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना में 2,047 दवाइयां और 300 सर्जिकल सामान शामिल हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच, सही खरीद प्रक्रिया और मजबूत आपूर्ति व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है, इस पूरे काम को पीएमबीआई संभालती है। नडडा ने बताया कि भारत से बाहर भी इसका विस्तार शुरू हो गया है। पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया। 2027 तक 25 हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किफायती स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने नजदीकी जन औषधि केंद्र पर जाएं, वहां की दवाइयों को आजमाएं और उनकी गुणवत्ता व किफायती कीमत का अनुभव करें।

'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा, मुख्यमंत्री थका हारा', नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव का सीधा वार

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आज 'दिव्यांग अधिकार सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के 11 साल और नीतीश कुमार की सरकार के 20 साल हो गए, लेकिन उन्होंने कभी भी दिव्यांगों के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की या हल करने की कोशिश नहीं की। मैं इस सरकार के लिए कुछ पंक्तियां कहना चाहूंगा, 'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा; मुख्यमंत्री है थका हारा, दिव्यांग फिर रहा मारा मारा'।

इससे पहले तेजस्वी यादव रसोइयों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ये सरकार महिलाओं, रसोइयों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी, आशा बहनों का शोषण कर रही है। उनके साथ अन्याय कर रही है। जब हमारी सरकार बनेगी तो हम इन सभी को न्याय दिलाने का काम करेंगे। सिर्फ़ 1600 रुपये महीना। इस महंगाई के दौर में इससे उनका क्या होगा? वे न्यूनतम मज़दूरी भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आपके मुद्दे सदन में उठाएंगे। सीएम 'बेहोश' हैं, वे यह भी नहीं बता पाएंगे कि उनके पास कौन-कौन से विभाग हैं। जब तक यह सरकार बदलेगी, आपको अपने वैध अधिकार नहीं मिलेंगे पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर सीएम नीतीश कुमार की टिप्पणी पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने उनपर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि राबड़ी देवी बिहार की पहली महिला सीएम हैं। उन पर टिप्पणी करने जैसा कुछ नहीं है। उनकी बिगड़ती सेहत से संकेत मिलता है कि वे अब बिहार चलाने में सक्षम नहीं हैं। सीएम पद की गरिमा होती है। उन्होंने राबड़ी देवी के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह ठीक नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि जहाँ तक उम्र का सवाल है, राजनीति में आप जितने बूढ़े होते हैं, आपकी शख्सियत उतनी ही मजबूत होती है। युवाओं में ताकत होती है और वे हर दिन सफल हो सकते हैं। मुझे लगता है कि खुद को युवा कहने वाले तेजस्वी यादव में कोई काबिलियत नहीं है। क्या वे अकेले युवा हैं? और वे कैसे सोच सकते हैं कि वे अमित शाह और नीतीश कुमार की जगह ले सकते हैं? एनडीए में भी कई काबिल युवा हैं। महागठबंधन सिर्फ़ सत्ता हथियाना चाहता है।

हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं, हम बिहार आते रहेंगे

-हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर धीरेंद्र शास्त्री और आरजेडी नेता आए आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर आमने-सामने आ गए हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने खुद को हिंदुत्व का प्रचारक बताते हुए कहा कि वह हिंदुओं के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे, जबकि आरजेडी विधायक चंद्रशेखर ने उन पर संविधान विरोधी बयान देने का आरोप लगाया। बता दें कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बिहार में कथा करने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कहा कि हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं। जब तक हमारे प्राण रहेंगे, हम हिंदुओं के लिए जिएंगे और उनके लिए मरेंगे। हम इस देश के हिंदुओं को जगाने के लिए आए हैं। हम भारत को बंटने नहीं देंगे। हम हिंदुओं को घटने नहीं देंगे।

धीरेंद्र ने कहा कि अगर किसी भी देश से मुसलमानों को निकाला जाएगा तो इस दुनिया में 65 मुसलमान देश हैं, जो उनका स्वागत कर लेंगे, लेकिन फिजी, सूरीनाम, पाकिस्तान, भारत, नेपाल और मॉरीशस से अगर हिंदुओं को निकाल दिया जाएगा तो फिर हिंदू कहां जाएगा? धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमको बिहार आने से जितना रोका जाएगा, हम उतना आएंगे और कथा करेंगे। मुझे यहां आने से रोका जाएगा तो मैं यहां मकान बना लूंगा।

वहीं, उनके इस बयान पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक चंद्रशेखर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चंद्रशेखर ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को जेल में डाल देना चाहिए। वह संविधान विरोधी बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने की इजाजत क्या हमारा संविधान देता है। यह राम रहीम और आसाराम वाली कैटेगरी के बाबा हैं। इनकी अंदरूनी जांच होगी तो पता चल जाएगा।

पहले मायावती ने किया पार्टी में बदलाव, अब ममता भी उठाएंगी बड़ा कदम? अभिषेक ने बनाई दूरी

कोलकाता (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पार्टी में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। इससे राजनीति में हलचल मच गई। ये मामला शांत होता इससे पहले पश्चिम बंगाल में टीएमसी प्रमुख और राज्य की सीएम ममता बनर्जी भी क्या इसी तरह के फैसले लेने जा रही हैं। इस तरह का सवाल उठाया जा रहा है। इसकी वजह ये है कि टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में हुई वोटर लिस्ट जांच की महत्वपूर्ण बैठक से गायब रहने के बाद नई अटकलें तेज हो गई हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पिछले हफ्ते गठित की गई उच्च स्तरीय समिति की यह पहली पहली बैठक थी।

टीएमसी की बैठक में सब्रता बक्शी के बाद दूसरे स्थान पर होने के बावजूद अभिषेक बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पार्टी के अंदर हलचल मच गई है। कुछ पार्टी नेताओं ने उनकी अनुपस्थिति को मामूली बताया, जबकि अन्य ने यह ध्यान दिलाया कि ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से यह कहा था कि सभी चुनाव संबंधी कार्य टीएमसी मुख्यालय से ही होंगे न कि कहीं और से। इससे पार्टी के भीतर नई अटकलें लगाई जा रही हैं।गुरुवार की बैठक में टीएमसी नेताओं ने विभिन्न जिलों में वोटर लिस्ट की जांच का जिम्मा सौंपा। सब्रता बक्शी को दक्षिण कोलकाता का जिम्मा सौंपा गया, जबकि अभिषेक को दक्षिण 24 परगना की जिम्मेदारी दी गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सुझाव दिया कि अभिषेक की अनुपस्थिति पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अधिक विकेन्द्रीकृत कार्य प्रणाली की ओर बढ़ने का संकेत हो सकती है। यह बैठक भाजपा पर चुनावी लिस्ट में गड़बड़ियों का आरोप लगाने के टीएमसी के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। इससे पहले टीएमसी नेताओं ने जिला कार्यकर्ताओं से मिलकर डोर टू डोर जांच के परिणामों पर चर्चा की थी और भाजपा पर फर्जी वोटरों को लिस्ट में जोड़ने का आरोप लगाया था। पिछले हफ्ते ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने बाहरी लोगों को वोटरों को लिस्ट में जोड़ा है। इस कार्य में चुनाव आयोग की कथित मदद ली है।

मायावती ने की मदरसों को सील करने पर उत्तराखंड सरकार की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार की देहरादून में मदरसों को सील करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और इसे 'द्वेषपूर्ण' तथा 'गैर-धर्मनिरपेक्ष कदम' करार देते हुए सरकार से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले फैसलों से बचने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी देहरादून जिले में 15 मदरसों को सील किये जाने के बाद आई है। जिला प्रशासन ने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद से पंजीकरण के बिना चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली ऐसी द्वेषपूर्ण व गैर सेक्युलर कार्रवाईयों से जरूर बचे।''

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस नेता उदित राज पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''बहुजन समाज के हितों के प्रति समर्पित संगठनों ने बसपा और उसकी मजबूत नेतृत्व क्षमता के खिलाफ एक घमंडी और अहंकारी कांग्रेस नेता की निराधार टिप्पणी की निंदा की है। लोगों को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए।'' दरअसल, उदित राज ने बृहस्पतिवार को कहा था कि बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद तथा कांशीराम के आंदोलन से जुड़े सभी लोगों को कांग्रेस में शामिल होकर संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि आकाश आनंद को दो बार बसपा का राष्ट्रीय समन्वयक बनाना और फिर पार्टी से निकालना इस बात को दर्शाता है कि बसपा का संचालन भारतीय जनता पार्टी कर रही है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती (15 मार्च) को मिशनरी भावना के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं मान्यवर कांशीराम जी की जयंती 15 मार्च को पूर्ण मिशनरी भावना से मनाने की अपील करती हूं। इसी संबंध में मैंने आज सुबह लखनऊ में 'बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र' और बसपा कार्यालय का दौरा किया।''

नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी होने से समुद्री जीवों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 1980 के बाद से मानवीय गतिविधियों के कारण नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी हुई है। बांग्लादेश और म्यांमार के तटीय क्षेत्रों में भी नाइट्रोजन जमाव में बढ़ोतरी हुई है। एक अध्ययन में विश्लेषण किया गया कि दक्षिण एशिया में वायु प्रदूषण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित कर रहा है। इस पर ध्यान दिया गया है कि जीवाश्म ईंधन जलाने और कृषि गतिविधियों से निकलने वाली नाइट्रोजन उत्तरी हिंद महासागर पर क्या असर डालती है। फ्रांस के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया और पाया कि इससे महासागर की जैविक उत्पादकता प्रभावित हो रही है।

हालांकि महासागर में उर्वरक जैसी प्रक्रियाएं नाइट्रोजन जमाव के प्रभाव को संतुलित कर सकती हैं। विशेष रूप से मध्य अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में जहां महासागर का जलस्तर बढ़ा है। वहां नाइट्रोजन का जमाव 70 से 100 फीसदी तक बढ़ गया है। महासागर में प्रारंभिक जैव उत्पादकता का तात्पर्य उन सूक्ष्म जीवों से है। जो प्रकाश संश्लेषण या रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग करके कार्बनिक पदार्थों का निर्माण करते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के तापमान में वृद्धि हुई है। जिससे जल स्तर बढ़ा और पानी की घनत्व-आधारित परतें बन गईं। मानसून भी इस जटिलता को और बढ़ा देता है। यह महासागर की सतह और गहराई के बीच पोषक तत्वों के प्रवाह पर असर डालती है, जिससे प्रारंभिक और द्वितीयक उत्पादकों को जरुरी पोषक तत्व मिलते हैं। अरब क्षेत्र से उड़कर आने वाली धूल में मौजूद लोहे के कण भी इस प्रक्रिया को तेज करते हैं।

उपग्रह के चित्रों की मदद से नाइट्रोजन जमाव और महासागर के तापमान बढ़ने के प्रभाव का विश्लेषण किया। पता चला है कि प्रारंभिक फाइटोप्लैंकटन और जूप्लैंकटन की उत्पादकता के कुछ स्थानों पर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वहीं कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी देखी गई। विशेष रूप से पश्चिमी अरब सागर में 100 मीटर से नीचे कार्बन के होने की पुष्टि हुई, जबकि दक्षिण-पूर्वी अरब

सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्पादकता सबसे कम रही। इन क्षेत्रों में समुद्र के गर्म होने के कारण पोषक तत्वों की आपूर्ति सीमित हो गई है, जिससे नाइट्रेट की गहराई बढ़ी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने किया ट्रम्प का विरोध, कहा- ग्रीनलैंड को खरीदा नहीं जा सकता

नुउक, एजेंसी। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

का विरोध जताते हुए कहा कि ग्रीनलैंड हमारा है। इसे खरीदा नहीं जा सकता है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड के लोग न तो अमेरिकी हैं और न ही डेनिश हैं, वो ग्रीनलैंडिक हैं। अमेरिका को यह समझने की जरूरत है। ग्रीनलैंड का भविष्य उसके लोग तय करेंगे। दरअसल ट्रम्प ने बुधवार को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि हम ग्रीनलैंड को किसी न किसी तरह हासिल कर लेंगे। ट्रम्प इससे पहले भी ग्रीनलैंड को अमेरिकी कंट्रोल में लेने की बात कह चुके हैं। ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक महासागर में मौजूद एक आइलैंड है। यह डेनमार्क के कंट्रोल वाला एक स्वायत्त क्षेत्र है। जिसका अपना प्रधानमंत्री होता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को शुक्रिया कहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रम्प को शुक्रिया कहा है। ट्रम्प ने आज अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को संबोधित करते हुए कहा था कि 2021 में अफगानिस्तान में आतंकियों ने 13 अमेरिकी सैनिकों की हत्या कर दी थी। उन्हें पकड़ने में पाकिस्तान सरकार ने मदद की थी। शहबाज शरीफ ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ने आज 2021 के काबुल एयरपोर्ट बम विस्फोट में शामिल आतंकवादी मोहम्मद शरीफुल्लाह को गिरफ्तार करने में पाकिस्तान के सहयोग का जिक्र किया। शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी में पाकिस्तान के रोल को स्वीकार करने और उसकी तारीफ करने के लिए ट्रम्प को धन्यवाद। पाकिस्तान ने हमेशा से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में जरूरी रोल निभाया है। हमारा मकसद है कि आतंकवादी किसी दूसरे देश के खिलाफ काम करने के लिए हमारी जमीन का इस्तेमाल न कर सकें।

अमेरिका से ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बात करेगा रूस

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस का कहना है कि अमेरिका के साथ भविष्य में होने वाली वार्ता में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी चर्चा होगी। बुधवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस का मानना ??है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी परेशानियों का हल डिप्लोमैटिक तरीकों से किया जाना चाहिए। इससे पहले ब्लूमबर्ग ने मंगलवार को बताया था कि रूस ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने में सहायता करने पर सहमति व्यक्त की है। ट्रम्प ने कुछ दिन पहले एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करके ईरान के खिलाफ 'अधिकतम दबाव' अभियान को फिर से लागू किया। इसके तहत ईरान पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। खासतौर पर उसके तेल एक्सपोर्ट को निशाना बनाने के आदेश दिए गए हैं।

अमेरिकी युवक का भारतवंशी नर्स पर हमला, जा सकती है आंखों की रोशनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नस्ली भेदभाव की एक और क्रूर घटना सामने आई है। फ्लोरिडा के पाम्स वेस्ट अस्पताल में अमेरिकी मरीज स्टीफन स्कैंटलबरी ने 67 वर्षीय भारतीय मूल की नर्स लीलम्मा लाल के चेहरे पर क्रूरता के साथ मुक्के मारे। इससे नर्स की आंखों की रोशनी भी जा सकती है। पुलिस ने बताया कि नर्स लीला (लीलाम्मा) लाल पर 18 फरवरी को मनोरोग वार्ड में इलाज कर रही थी। उन पर 33 वर्षीय मरीज स्टीफन एरिक स्कैंटलबरी ने हमला कर चेहरे की लगभग हर हड्डी तोड़ दीं। हमला करने के बाद स्टीफन ने कहा, 'भारतीय बुरे हैं' और 'मैंने अभी-अभी एक भारतीय डॉक्टर को पीटा' है। लाल को हेलिकॉप्टर से वेस्ट पाम बीच के सेंट मैरी मेडिकल सेंटर ले जाया गया। उसे एक दर्शक से एक वीडियो मिला, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति को पास की प्रमुख सड़क पर शर्टलेस चलते हुए दिखाया गया था और ऐसा लग रहा था कि उसके सीने में अभी भी ईसीजी लीड लगी हुई थी। पुलिस द्वारा उसे हिरासत में लेने के पहले अस्पताल के कर्मचारी और कानून प्रवर्तन अधिकारी उस व्यक्ति का व्यस्त राजमार्ग पर पीछा करते हुए दिखाई दे रहे थे।

अमेरिकी सख्ती के बाद मेक्सिको ने पकड़ी फेंटानिल की खेप

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको ने बुधवार को करीब 32 किलो फेंटानिल ड्रग की खेप पकड़ी है। ये फेंटानिल कैक्टस के डिब्बों में छिपाकर लाई गई थी। जब्त की गई खेप में 2,75,000 गोलियां हैं। यह नशे की खेप अमेरिकी राज्य एरिजोना की सीमा पर पकड़ी गई है। पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जब्त की गई ड्रग की कीमत 65 लाख डॉलर बताई जा रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सरकार ने मेक्सिको से सीमा पर सख्ती करने की मांग की है और अब इसका असर भी दिख रहा है।

100 अमेरिकी डॉलर के नोट पर हो ट्रंप का चेहरा..., अमेरिकी नेता के प्रस्ताव का प्रतिनिधि लॉरेन बोएबर्ट ने किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। कोलोराडो की प्रतिनिधि लॉरेन बोएबर्ट ने एक प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें 100 डॉलर के नोटों पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छवि लगाने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को टेक्सास के कांग्रेसी ब्रैंडन गिल ने 2025 के स्वर्ण युग अधिनियम के रूप में पेश किया है। यह प्रस्ताव ट्रंप समर्थकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, लेकिन कई कानूनी अड़चनों और विवादों के कारण इसे भारी आलोचना भी झेलनी पड़ रही है। संघीय कानून वर्तमान में किसी जीवित व्यक्ति के चेहरे को अमेरिकी मुद्रा पर छापने की अनुमति नहीं देता है। इसके बावजूद, ट्रंप के समर्थकों का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक मजबूती और उनके प्रशासन की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए आवश्यक है।

100 डॉलर के नोट पर ट्रंप का चेहरा : ब्रैंडन गिल के प्रस्ताव में यह मांग की गई है कि प्रत्येक नए 100 डॉलर के नोट पर डोनाल्ड ट्रंप की छवि होनी चाहिए। इस बिल में ट्रेजरी सचिव को आदेश दिया गया है कि वह 31 दिसंबर 2026 तक एक प्रारंभिक संस्करण तैयार करें और इसे जारी करें। इसके अतिरिक्त, प्रस्ताव में कहा गया है कि 31 दिसंबर 2028 तक सभी नए मुद्रित 100 डॉलर के नोटों पर ट्रंप की छवि होनी चाहिए। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस नोट पर ट्रंप की वह तस्वीर हो सकती है, जो 2023 में फुल्टन काउंटी जेल में उनकी गिरफ्तारी के दौरान ली गई थी। यह विवादास्पद पहल ट्रंप समर्थकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, जबकि उनके विरोधी इसे राजनीतिक प्रचार करार दे रहे हैं।

लॉरेन बोएबर्ट का समर्थन : कोलोराडो की रिपब्लिकन प्रतिनिधि लॉरेन बोएबर्ट ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। गिल द्वारा इस बिल की घोषणा के तुरंत बाद, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक प्रतिक्रिया दी और खुद को इस विधेयक के सह-प्रायोजक के रूप में शामिल करने की इच्छा जताई। बोएबर्ट और अन्य रिपब्लिकन नेता इस कदम को ट्रंप की आर्थिक नीतियों और देश की समृद्धि में उनकी भूमिका को सम्मान देने के रूप में देख रहे हैं।

समर्थकों के तर्क : ब्रैंडन गिल और उनके समर्थकों का मानना है कि ट्रंप का प्रशासन अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्ण युग लेकर आया था। गिल ने कहा कि ट्रंप ने इस देश के लिए एक गोली खाई, जो कि जुलाई 2024 में पेंसिल्वेनिया में उनके ऊपर हुए हमले की ओर इशारा करता है। गिल का कहना है कि अमेरिका की आर्थिक नीतियों में ट्रंप के योगदान को पहचानने के लिए 100 डॉलर के नोट पर उनकी छवि लगाना उचित होगा। इस प्रस्ताव की तुलना दक्षिण कैरोलिना के प्रतिनिधि जो विल्सन के एक अन्य प्रस्ताव से की जा रही है, जिसमें सुझाव दिया गया था कि ट्रंप की छवि के साथ एक नया 250 डॉलर का नोट जारी किया जाए। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह प्रस्ताव उनके योगदान को पहचानने का सही तरीका है, जबकि आलोचकों का कहना है कि यह एक राजनीतिक स्टंट है।

कानूनी अड़चनें : संघीय कानून स्पष्ट रूप से किसी भी जीवित व्यक्ति के चेहरे को अमेरिकी मुद्रा पर छापने की अनुमति नहीं देता है। इसके अलावा, अमेरिकी ब्यूरो ऑफ एनग्रेविंग एंड प्रिंटिंग भी मुद्रा के डिज़ाइन को लेकर सख्त नियमों का पालन करता है। अमेरिकी 100 डॉलर के नोट का वर्तमान डिज़ाइन 2013 में अपडेट किया गया था, जिसमें नोट के आगे की तरफ अमेरिका के संस्थापक पिता बेंजामिन फ्रैंकलिन और पीछे की तरफ स्वतंत्रता हॉल को दर्शाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह प्रस्ताव कानून बन भी जाता है, तब भी इसे लागू करना बेहद कठिन होगा। अमेरिकी बैंकनोट डिज़ाइन और प्रिंटिंग को नियंत्रित करने वाले सख्त नियमों को बदलना आसान नहीं है, और इसे लेकर कानूनी चुनौतियां भी आ सकती हैं।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ : डेमोक्रेट्स और कई कानूनी विशेषज्ञों ने इस प्रस्ताव की आलोचना की है। उनका मानना है कि यह राजनीतिक प्रचार के अलावा कुछ नहीं है। कई अर्थशास्त्रियों का यह भी तर्क है कि अमेरिकी मुद्रा के डिज़ाइन में बदलाव करना बेहद महंगा और जटिल प्रक्रिया होती है। वहीं, ट्रंप समर्थक इस प्रस्ताव को उनके नेतृत्व की सराहना करने का एक अवसर मान रहे हैं।

क्या यह प्रस्ताव पास होगा : वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए इस बिल के पारित होने की संभावना काफी कम है। डेमोक्रेटिक पार्टी और कई रिपब्लिकन नेता भी इस प्रस्ताव से असहमत हैं। इसके अलावा, अमेरिकी कानूनों के तहत जीवित व्यक्ति की छवि को मुद्रा पर शामिल करने की अनुमति नहीं है, जिसे बदलने के लिए एक बड़ा संवैधानिक संशोधन करना होगा।

पुलिस से बचने के लिए चोरों ने निगले करोड़ों की कान की बाली

ऑरलैंडो , एजेंसी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक आभूषण चोर ने चोरी के सबूत मिटाने के लिए 769,000 डॉलर (लगभग 6.7 करोड़ रुपये) मूल्य की हीरे जड़ित बालियां निगल लीं। पुलिस ने जेठान को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। उस समय तो उसके पास कुछ नहीं मिला, लेकिन उसके बॉडी स्कैन में कुछ अजीब सा नजर आया, जिससे चोर की चोरी का खुलासा हो गया। 32 वर्षीय जेथन लॉरेंस गिल्डर नामक चोर ने स्थानीय बास्केटबॉल खिलाड़ी का प्रतिनिधि बनकर हाई-एंड ज्वेलरी स्टोर टिफ़नी एंड कंपनी में प्रवेश किया। अपनी चालाकी से उसने स्टोर के महंगे डिजाइनों तक पहुंच बना ली और मौका मिलते ही दो कीमती बालियां लेकर भाग गया। इनमें से एक, 4.86 कैरेट का सेट, 160,000 डॉलर (1.4 करोड़) का था, जबकि दूसरा, 8.10 कैरेट का सेट, 609,500 डॉलर (5.3 करोड़) का था। जब दुकान में चोरी का पता चला तो पुलिस ने गिल्डर की तलाश शुरू कर दी। उसे एक राजमार्ग पर रोका गया और गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन पुलिस को उसके पास से कोई चोरी का सामान नहीं मिला। साक्ष्य के अभाव में उन पर केवल गिरफ्तारी का विरोध करने का आरोप लगाया गया। हालांकि, जब उन्हें जेल ले जाया गया तो गिल्डर ने अचानक जेल अधिकारी से पूछा कि क्या उन पर उनके पेट में क्या है के लिए भी आरोप लगाया जाएगा? उसकी घबराहट से पुलिस को संदेह हुआ। अधिकारियों का मानना है कि ये वही हीरे जड़ित बालियां हैं जिन्हें उसने निगल लिया था। पुलिस ने बयान में कहा कि आभूषणों की बरामदगी उसके शरीर से प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद गिल्डर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने पुलिस के सामने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि हीरे निगलने के बजाय उसे उन्हें कार की खिड़की से बाहर फेंक देना चाहिए था।

हॉन्गकॉन्ग की अदालत का अहम फैसला, तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने वाले तीन लोगों की सजा माफ

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग की एक शीर्ष अदालत ने तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने वाले तीन आयोजकों की सजा माफ कर दी। यह हॉन्गकॉन्ग में लोकतंत्र समर्थकों की बड़ी जीत माना जा रहा है। जिन लोगों की सजा माफ की गई है, उनमें जो हांग तुंग, तांग नॉक क्वान और सुइ होन कॉन्ग का नाम शामिल है। ये तीनों हॉन्गकॉन्ग अलायंस के सदस्य है। तीनों को साल 1989 में हुए तियानमेन चौक कांड की याद में हर साल तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए साल 2023 में दोषी ठहराया गया था। तीनों को साढ़े चार महीने जेल की सजा हुई थी। बता दें कि हॉन्गकॉन्ग अलायंस नाम का यह संगठन तियानमेन चौक पर साल 1989 में हुए लोकतंत्र समर्थकों के नरसंहार की वर्षगांठ पर हर साल शहर में मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने के लिए जाना जाता है। तीनों को साढ़े चार महीने जेल की सजा हुई थी। बता दें कि हॉन्गकॉन्ग अलायंस नाम का यह संगठन तियानमेन चौक पर साल 1989 में हुए लोकतंत्र समर्थकों के नरसंहार की वर्षगांठ पर हर साल शहर में मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने के लिए जाना जाता है। लेकिन साल 2021 में चीन द्वारा लगाए गए व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत इसे भंग कर दिया गया था। आलोचकों का आरोप है कि हॉन्गकॉन्ग में लगातार नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया जा रहा है।

जयशंकर बोले- पीओके मिलते ही कश्मीर मुद्दा खत्म होगा

लंदन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कश्मीर को लेकर कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को खाली करने से यह मुद्दा पूरी तरह से हल हो जाएगा। जयशंकर ब्रिटेन के दौरे पर हैं। वे 5 मार्च को लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे। जयशंकर से सवाल पूछा गया था कि क्या प्रधानमंत्री मोदी कश्मीर मुद्दे का हल निकालने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव का भारत को फायदा मिलेगा। जयशंकर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति में बदलाव उम्मीद के मुताबिक है। यह कई मायनों में भारत के अनुकूल है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के एक्शन से दुनिया नई व्यवस्था की तरफ बढ़ रही है।

जयशंकर बोले- 3 चरणों में कश्मीर समस्या का समाधान निकला : विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमने कश्मीर के ज्यादातर मुद्दों का हल निकाल लिया है। अनुच्छेद 370 को हटाना पहला कदम था। फिर कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था। चुनाव कराना, जिसमें काफी वोटिंग हुई, तीसरा कदम था। जयशंकर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हम जिस हिस्से का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के उस हिस्से की वापसी है, जिसे चोरी से पाकिस्तान ने अपने पास रखा है। जब यह हो जाएगा तो मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि कश्मीर का मसला हल हो जाएगा।

चीन से रिश्ते पर बोले- भारत के लिए सीमा जरूरी पहलू : भारत चीन के साथ किस तरह का रिश्ता चाहता है? इस सवाल पर जयशंकर ने कहा कि हमारे बीच बहुत ही अनोखा रिश्ता है। हम दुनिया के दो ऐसे देश हैं जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है। हम दोनों का इतिहास बहुत पुराना है, जिसमें समय के साथ उतार-चढ़ाव आए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि आज दोनों देश आगे बढ़ रहे हैं और हम पड़ोसी भी हैं। चुनौती यह है कि जैसे-जैसे कोई देश आगे बढ़ता है, दुनिया और उसके पड़ोसियों के साथ उसका संतुलन बदलता जाता है। मुख्य मुद्दा यह है कि कैसे एक स्थिर संतुलन बनाया जाए। जयशंकर ने कहा कि हम एक स्थिर संबंध चाहते हैं, जहां हमारे हितों का सम्मान किया जाए। वास्तव में हमारे रिश्ते में यही मुख्य चुनौती है। जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए सीमा एक अहम पहलू है। पिछले 40 साल में यह धारणा रही है कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता रिश्ते को बढ़ाने के लिए जरूरी है। यदि सीमा अस्थिर है या उसमें शांति का अभाव है, तो यह निश्चित रूप से हमारे संबंधों को प्रभावित करेगा। जयशंकर ने ब्रिटिश विदेश मंत्री से मुलाकात की भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 3 मार्च को ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं में भारत-ब्रिटेन संबंधों पर चर्चा हुई। इस बातचीत में यूक्रेन, बांग्लादेश, पश्चिम एशिया और राष्ट्रमंडल के साथ व्यापार समझौते और रणनीतिक सहयोग पर भी बात हुई। दोनों नेताओं यह बैठक इंग्लैंड के केंट में स्थित शेवेनिंग हाउस में हुई। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्री की पत्नी क्योको जयशंकर और ब्रिटिश विदेश मंत्री की पत्नी निकोला ग्रीन भी मौजूद थीं। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आगे की रूपरेखा पर सहमति जताई। जयशंकर 6 दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और आयरलैंड पहुंचे हैं।

चीनी छात्र ने इंग्लैंड और चीन की 10 महिलाओं से किया दुष्कर्म, अदालत ने माना दोषी, 19 जून को सजा का एलान

लंदन, एजेंसी। चीन के एक पीएचडी छात्र ने नशीला पदार्थ खिलाकर इंग्लैंड और चीन की 10 महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। लंदन की एक अदालत ने छात्र को दोषी माना। वहीं पुलिस ने कहा कि पीड़िताओं की संख्या 50 से ज्यादा हो सकती है। आरोपी छात्र को कोर्ट 19 जून को सजा सुनाएगी।

इनर लंदन के क्राउन कोर्ट में एक महीने तक चली सुनवाई के दौरान कहा गया कि 28 वर्षीय झेनहाओ जू ने 2019 और 2023 के बीच घिनौनी करतूत को अंजाम दिया। उसे दुष्कर्म के 11 मामलों में दोषी ठहराया गया। न्यायाधीशों ने 19 घंटे से अधिक समय तक चली सुनवाई के दौरान पाया कि जू ने लंदन में तीन और चीन में सात महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया था। हालांकि पुलिस केवल दो पीड़िताओं की पहचान कर पाई। पुलिस ने कोर्ट के फैसले के बाद कहा कि 50 से अधिक अन्य महिलाएं जू की शिकार हुई होंगी। न्यायालय ने पाया कि आरोपी जू ने महिलाओं की अश्लील वीडियो भी बनाता था। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में पीएचडी कर रहे मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र जू ने दावा किया कि उसने यौन संबंध सहमति से बनाए थे। न्यायाधीश रोसिना कॉटेज ने छात्र को एक खतरनाक और हिंसक यौन अपराधी बताया। उन्होंने कहा कि उसकी सजा बहुत लंबी होगी।

छात्र जू को ताक-झांक के तीन मामलों, अश्लील चित्र रखने के 10 मामलों, झूठे कारावास के एक मामले और यौन अपराध करने के इरादे से नियंत्रित दवा ब्यूटेनडिऑल रखने के तीन मामलों में भी दोषी ठहराया गया। जबकि अश्लील चित्र रखने के दो मामलों, यौन अपराध करने के इरादे से एमडीएमए रखने के एक मामले से मुक्त कर दिया गया।

डेटिंग एप से करता था महिलाओं से दोस्ती कोर्ट को बताया गया कि आरोपी जू वीचैट और डेटिंग ऐप्स पर चीनी मूल की साथी छात्रों से दोस्ती करता था और फिर उन्हें लंदन या चीन में किसी अज्ञात स्थान पर अपने अपार्टमेंट में शराब पीने के लिए आमंत्रित करता था और उन्हें नशीला पदार्थ दे देता था। पुलिस ने कहा कि उसने दुष्कर्म के दौरान पीड़िताओं को इतना नशा दिया कि वह उसकी हरकत का विरोध न कर सकें और कई मामलों में तो उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि उनके साथ क्या हुआ था।

पुलिस ने उन दो महिलाओं को धन्यवाद दिया, जिन्होंने जू के खिलाफ गवाही दी। पुलिस ने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि उसने संभवत- 50 अन्य महिलाओं के साथ ऐसा किया होगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जिन्हें लगता है कि जू ने उनको निशाना बनाया है कि वे पुलिस बल से संपर्क करें।

आरोपी जू 2017 में क्वीन्स यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के लिए बेलफास्ट, उत्तरी आयरलैंड आया था। इसके बाद 2019 में मास्टर डिग्री और फिर पीएचडी के लिए यूसीएल चले गए। यूसीएल के अध्यक्ष डॉ. माइकल स्पेंस ने कहा कि हमारी संवेदनाएं सभी के साथ हैं और हम उन महिलाओं की बहादुरी को नमन करते हैं, जिन्होंने इन अपराधों की रिपोर्ट की और मुकदमे में साक्ष्य दिए।

राष्ट्रपति दिसानायके के निमंत्रण पर अप्रैल में श्रीलंका दौरे पर जा सकते हैं पीएम मोदी

कोलंबो , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के निमंत्रण पर अप्रैल के पहले सप्ताह में श्रीलंका की यात्रा पर जा सकते हैं. स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी. पीएम मोदी की संभावित यात्रा से भारत-श्रीलंका संबंधों में मजबूती आने के साथ ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच जन-केंद्रित साझेदारी को गति मिलने की उम्मीद है.

माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी थाईलैंड से वापस आते समय कोलंबो पहुंच सकते हैं. बैंकॉक में 2 से 4 अप्रैल तक बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन का छठा आयोजन होगा. दिसानायके ने दिसंबर में तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को अपनी सुविधानुसार जल्द श्रीलंका की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था. सितंबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद दिसानायके की यह पहली विदेश यात्रा थी. दोनों नेताओं ने अपनी चर्चाओं के दौरान भारत-श्रीलंका देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और संबंधों को मैत्रीपूर्ण बनाने पर सहमति जताई.

दिसानायके ने अपनी भारत यात्रा को काफी सफल करार दिया था. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्रा के दौरान भारतीय नेतृत्व और व्यापारिक समुदाय के

साथ उनकी सार्थक चर्चा हुई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से अब तक तीन बार श्रीलंका का दौरा कर चुके हैं.

प्रधानमंत्री की श्रीलंका की आखिरी यात्रा जून 2019, में ईस्टर संडे के हमलों के बाद एकजुटता व्यक्त करने के लिए हुई थी. इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2015 में श्रीलंका का दौरा किया था, जो 1987 के बाद से भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी. पीएम मोदी मई 2017 में श्रीलंका द्वारा आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय वेसाक दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सभी बंधकों को रिहा करो, नहीं तो सब खत्म..., ट्रंप की हमास को आखिरी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास को सभी बचे हुए बंधकों को रिहा करने के लिए आखिरी चेतावनीट दी है. ट्रंप ने हाल ही में हमास के साथ सीधी वार्ता के लिए एक दूत भेजा है और कड़े शब्दों में संदेश दिया.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने हाल ही में हमास द्वारा रिहा किए गए आठ पूर्व बंधकों से व्हाइट हाउस में मुलाकात की. इसके बाद उन्होंने अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक बयान में कहा कि वह इजराइल को वह सब कुछ भेज रहे हैं जो उसे काम पूरा करने के लिए चाहिए.

ट्रंप ने कहा, सभी बंधकों को अभी रिहा करें, बाद में नहीं, और जिन लोगों की आपने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत वापस करें, नहीं तो आपके लिए सब खत्म हो जाएगा. ट्रंप ने कहा, केवल बीमार और विकृत लोग ही शव रखते हैं, और आप (हमास) बीमार और विकृत हैं! इससे पहले, व्हाइट हाउस ने बुधवार को एक बयान में काहा कि अमेरिकी अधिकारी हमास नेताओं के साथ चल रही वार्ता और चर्चा में लगे हुए हैं. यह कदम चरमपंथी समूह से सीधे तौर पर बातचीत न करने की लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी नीति से अलग है. अमेरिका ने 1997 में हमास को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था. इसके बाद से यह अमेरिका और हमास के बीच पहली सीधी वार्ता है.

अमेरिकी लोगों के हित में एक नेक

प्रयास... व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने वार्ता के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार किया. हालांकि, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूतों को किसी से भी बात करने के लिए कहा है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि यह अमेरिकी लोगों के हित में काम करने का एक नेक प्रयास है. लेविट ने कहा कि हमास नेताओं के साथ सीधे जुड़ाव के बारे में इजराइल से सलाह ली गई है, क्योंकि अमेरिकी लोगों की जान दांव पर लगी है. इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने अमेरिका-हमास वार्ता के बारे में कहा कि इजरायल ने हमास के साथ सीधी वार्ता के बारे में अमेरिका को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है. बंधकों को रिहा कराने के लिए विशेष दूत के रूप में ट्रंप द्वारा नामित एडम बोहलर ने हमास के साथ सीधी वार्ता का नेतृत्व किया. इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, एक अमेरिकी नागरिक समेत लगभग 24 जीवित बंधकों के साथ-साथ कम से कम 35 अन्य लोगों के शव अभी भी गाजा में रखे हुए हैं.

न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त ने ट्रंप पर की टिप्पणी, चली गई नौकरी : लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर टिप्पणी करना भारी पड़ गया और न्यूजीलैंड की सरकार ने उन्हें नौकरी से ही निकाल दिया। दरअसल ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त फिल गॉफ ने एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप पर विवादित टिप्पणी की और उनकी इतिहास की समझ पर सवाल उठाए। इस बात से नाराज होकर न्यूजीलैंड की सरकार ने अपने उच्चायुक्त को नौकरी से निकाल दिया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरतियों पर मोदी हुए मोहित प्रधानमंत्री ने कहा-जहां के लोग जानदार होते हैं, वहां सब कुछ शानदार होना चाहिए'

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य मिलने के बाद पहली बार सूरत आया हूं

पीएम मोदी अपने दो दिवसीय गुजरात और संघ प्रदेश के दौरे पर पहुंचे हैं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वे सीधे सेलवास गए, जहां उन्होंने नवनिर्मित "नमो हॉस्पिटल" सहित 2578 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। सेलवास का कार्यक्रम समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री सूरत पहुंचे, जहां उन्होंने 3 किलोमीटर लंबा रोड शो किया और जनता का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो के बाद उन्होंने नीलगिरी ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार सूरत पहुंचे मोदी का अलग अंदाज दिखा।

अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने 'कैम छे?' कहकर सूरतियों का हालचाल जाना। सूरत के विकास पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा,

"हम सूरत को ऐसा शहर बनाना चाहते हैं, जिसका वैश्विक व्यापार पर प्रभाव हो। जहां के लोग जानदार होते हैं, वहां सब कुछ शानदार होना चाहिए।"

सूरत का कार्यक्रम समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। शनिवार को महिला दिवस के अवसर पर नवसारी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

तीसरी बार पीएम बनने के बाद मोदी की पहली सूरत यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (7 मार्च) अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1:30 बजे दक्षिण गुजरात के दौरे पर पहुंचे। सूरत एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत सीआर पाटिल समेत अन्य नेताओं ने किया। वहां से प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर के जरिए सीधे सेलवास पहुंचे।

सेलवास में 2578 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

सेलवास पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने रोड शो किया और फिर नवनिर्मित नमो अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने अस्पताल का लोकार्पण करने के बाद

उसकी सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने सेलवास में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

पीएम मोदी के हाथों संघ प्रदेश में 2500 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया।

संघ प्रदेश को सिंगापुर की तरह विकसित करने की बात कही

सेलवास में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संघ प्रदेश को सिंगापुर की तरह विकसित करने की बात कही। उन्होंने जनता से इसमें सहयोग देने की अपील की और खुद भी लोगों के साथ रहने की प्रतिबद्धता जताई।

इसके अलावा, पीएम मोदी ने मोटापे (मेदस्विता) को लेकर चिंता व्यक्त की और लोगों से खाद्य तेल का 10% कम सेवन करने की अपील की। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि साल 2050 तक भारत में 40 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।

पर्वत पाटिया से नीलगिरी मैदान तक रोड शो आयोजित

सेलवास का कार्यक्रम समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सूरत पहुंचे। पर्वत पाटिया क्षेत्र में बने हेलीपैड पर मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी का स्वागत किया। वहां से उन्होंने रोड शो किया और नीलगिरी मैदान पहुंचे।

3 किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसका प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया।

सभा स्थल पर खुली जीप में जनता का अभिवादन स्वीकार किया

नीलगिरी मैदान में आयोजित सभा स्थल पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी,मुख्यमंत्री,और सी.आर. पाटिल खुली जीप में सवार हुए। वे डोम के अंदर मौजूद जनता के बीच पहुंचे और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई लोगों को फोटोग्राफ्स पर ऑटोग्राफ भी दिए।

ज़री के खेस से पीएम मोदी का स्वागत

सूरत की पहचान ज़री कढ़ाई वाले खेस से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री और सी.आर. पाटिल ने उन्हें यह खेस भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ वितरित किया गया।

पीएम मोदी ने पूछा -"कैसे हो सब जोश में?",जनता ने कहा -"मज़े में"

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत सूरतवासियों से "कैसे हो?" पूछकर की। उन्होंने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली सूरत यात्रा है। उन्होंने कहा, "गुजरात ने जिसे गढ़ा, उसे देश ने अपनाया", और यह भी कि वह हमेशा सूरत के लोगों के ऋणी रहेंगे, जिन्होंने उन्हें यहाँ तक पहुँचाने में योगदान दिया।

स्वच्छता को लेकर सूरतवासियों की तारीफ की

प्रधानमंत्री ने सूरत के लोगों की स्वच्छता के प्रति जागरूकता की प्रशंसा** करते हुए कहा कि "देश में जब भी स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा होती है, तो सूरत हमेशा पहले या दूसरे स्थान पर होता है। इसका श्रेय सूरत की जनता को जाता है।"

"गरीब मां के बेटे ने तय किया कि हर गरीब की गारंटी मोदी देगा"

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि गरीबों की गारंटी कोई नहीं देता, लेकिन गरीब मां के बेटे ने तय किया है कि गरीबों की गारंटी मोदी देगा। उन्होंने बताया कि मुद्रा योजना के तहत 32 लाख करोड़ रुपये गरीबों को मिले हैं। साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि "जो हमें गालियां देते हैं, उन्हें 32 लाख में कितने जीरो होते हैं, इसका भी अंदाजा नहीं है। ज़ीरो सीट वालों को ज़ीरो की समझ नहीं आती।"

"महिला दिवस पर मैं अपना सोशल मीडिया अकाउंट प्रेरणादायक बहनों को सौंपूंगा"

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने देश की महिलाओं से नमो ऐप पर अपनी उपलब्धियाँ साझा करने के लिए कहा था। उन्होंने बताया कि "अनेक बहनों और बेटियों ने अपनी उपलब्धियाँ साझा की हैं। महिला दिवस के अवसर पर मैं अपना सोशल मीडिया अकाउंट ऐसी ही प्रेरणादायक बहनों को सौंपने जा रहा हूँ।"

रात्रि प्रवास सूरत सर्किट हाउस में, शनिवार को नवसारी जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सूरत और संघप्रदेश के कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद सूरत सर्किट हाउस में रात्रि प्रवास किया। शनिवार सुबह वह नवसारी में आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे।

'लखपति दीदी' कार्यक्रम की सुरक्षा में 3000 महिला पुलिसकर्मी तैनात

नवसारी में महिला दिवस के अवसर पर आयोजित 'लखपति दीदी' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह महिला पुलिसकर्मियों के हाथों में होगी। हेलिपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक की संपूर्ण व्यवस्थाएँ महिलाओं द्वारा संभाली जाएंगी।

पुलिसकर्मी ने नाबालिग को बाल पकड़कर पीटा, आंख के पास लगा चोट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

किशोर के मामा ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि कल शाम 4:30 बजे वह साइकिल लेकर निकला था। मुझे लगा कि वह घूमने गया होगा, लेकिन जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो मैं चिंतित हो गया। फिर रात 9:30 बजे वह घर आया और रोने लगा। वह कह रहा था कि उसे पता नहीं था कि वहां क्या हो रहा था और अचानक पुलिस ने उसे पीटना शुरू कर दिया। फिर उसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया और घंटों तक रोके रखा। अभी-अभी उसे छोड़ा गया है।

'पुलिस को समझाकर छोड़ देना चाहिए था'

किशोर के मामा ने आगे कहा कि वह पढ़ा-लिखा नहीं है और शहर के नियम-कायदों से अनजान है। पुलिस को उसे समझाकर छोड़ देना चाहिए था, लेकिन उसे मारना क्रूरता थी।

बच्चे के साथ किया गया व्यवहार पूरी तरह अनुचित: DCP

इस मामले में डीसीपी अमिता वानाणी ने एक मैसेज के जरिए बयान दिया कि सोशल मीडिया पर एक रील वायरल हुई है। इसकी वास्तविकता यह है कि बंदोबस्त रिहर्सल के दौरान काफिले की मूवमेंट सड़क पर हो रही थी। उसी समय एक बच्चा रूट पर आ गया, जिससे दुर्घटना की संभावना थी, इसलिए पुलिस ने उसे वहां आने से रोका था। इसके बावजूद बार-बार काफिले के रूट पर आने के कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई।

इस वायरल वीडियो में दिख रहे पीएसआई मोरबी जिले में तैनात हैं। उनका नाम बी. ए. गढ़वी है और वे सुरक्षा बंदोबस्त के लिए सूरत आए थे। उनके द्वारा किया गया व्यवहार पूरी तरह अनुचित था, और इस पर खेद व्यक्त किया जाता है।

पीएसआई बी. ए. गढ़वी को तत्काल प्रभाव से कंट्रोल रूम में स्थानांतरित किया गया और फिर सूरत पुलिस ने रिपोर्ट बनाकर उन्हें उनके जिले मोरबी वापस भेज दिया। अब आगे की कार्रवाई मोरबी के पुलिस अधीक्षक द्वारा की जाएगी। पीएसआई गढ़वी के एक साल के वेतन वृद्धि पर रोक लगाने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

पुलिसकर्मी को ड्यूटी से निलंबित किया जाना चाहिए: कांग्रेस नेता

इस मामले में कांग्रेस नेता असलम सायकलवाला ने बयान दिया कि लिंबायत, सूरत में प्रधानमंत्री के आगमन से पहले की रिहर्सल के दौरान एक निर्दोष साइकिल सवार बच्चा अनजाने में सड़क पर आ गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी ने क्रूरता पूर्वक और निर्दयता से उसे सार्वजनिक रूप से पीटा। यह किशोर 17 वर्षीय है और मूल रूप से नेपाल का निवासी है।

पुलिसकर्मी की मार का शिकार होकर वह दाईं आंख से गंभीर रूप से घायल हो गया और बुरी तरह डर गया। ऐसे निर्दयी पुलिसकर्मी को सिर्फ कंट्रोल रूम में ट्रांसफर करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाना चाहिए।

सूरत में PM मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक, बैरिकेड कूदकर व्यक्ति गाड़ी के पास पहुंचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में PM मोदी की सुरक्षा में फिर एक बार बड़ी चूक देखने को मिली। PM मोदी के काफिले के बीच एक व्यक्ति बैरिकेड तोड़कर गाड़ी के पास पहुंच गया। हालांकि, SPG ने सतर्कता बरतते हुए उसे तुरंत हटा दिया।

उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी फिलहाल गुजरात दौरे पर हैं। आज उन्होंने सूरत में सभा को संबोधित किया, जिसमें PM की सुरक्षा में फिर एक बड़ी चूक देखने को मिली। PM मोदी के सभा स्थल पर पहुंचते ही लोगों में अभिवादन करने का उत्साह था। इसी बीच, PM मोदी के एक प्रशंसक ने बैरिकेड कूदकर उनकी गाड़ी के पास पहुंचने की कोशिश की। हालांकि, वहां मौजूद SPG कमांडोज ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए उसे हटा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज नीलगिरि ग्राउंड में सभा को संबोधित किया और फिलहाल सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। कल वे नवसारी के कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे। नवसारी के वांसी बोरसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 'लखपति दीदी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

मां-बेटे की हत्या कर 8 घंटे तक घर में रहा पति

पैनल पीएम में सुबह 10 बजे हत्या का खुलासा, सुसाइड नोट में लिखा

सुरेंद्रनगर में घर लेना था, शेयर बाजार में पैसे हार गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मां और बेटे की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है।पैनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सुबह 10 बजे ही हत्या की गई थी,जबकि पति घर में करीब 8 घंटे तक शवों के साथ मौजूद था।

सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी की बात

हत्या के बाद पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें आरोपी पति ने लिखा कि वह सुरेंद्रनगर में घर खरीदना चाहता था, लेकिन शेयर बाजार में पैसे गंवा दिए। इस आर्थिक संकट के चलते उसने पत्नी और बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

गांधीनगर के सरगासन इलाके में दिल दहला देने वाली घटना

गांधीनगर के श्री रंग नेनो सिटी-1 में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां आर्थिक तंगी के कारण पति ने अपनी पत्नी और बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी और खुद आत्महत्या करने की कोशिश की।

हत्या के बाद 8 घंटे तक घर में ही रहा आरोपी

पैनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या सुबह 10 से 11 बजे के बीच की गई थी, लेकिन पड़ोसियों को इस घटना की जानकारी शाम को मिली। इसका मतलब यह है कि पत्नी और बेटे की लाशों के साथ आरोपी करीब 8 घंटे तक घर में ही रहा।

पुलिस को सुसाइड नोट मिला, लेकिन उस पर शक

पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है,जिसमें आर्थिक तंगी और तनाव का जिक्र किया गया है। हालांकि, पुलिस को इस नोट में लिखी बातों पर संदेह है और हत्या के पीछे की असली वजह तलाश रही है।

मोबाइल की फॉरेंसिक जांच जारी

पुलिस ने आरोपी पति और मृत पत्नी के मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच (FSL) के लिए भेजे हैं। इसके अलावा, पिछले 48 घंटे के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) भी मंगाए गए हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या के बाद आरोपी ने किसी से संपर्क किया था या नहीं।

हत्या के बाद आत्महत्या का प्रयास करने वाला पति अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती

गांधीनगर के सरगासन स्थित श्री रंग नेनो सिटी-1 में आर्थिक तंगी के कारण हुए डबल मर्डर और आत्महत्या के प्रयास के मामले में नया खुलासा हुआ है। पत्नी और बेटे की हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या का प्रयास करने वाले आरोपी पति को गंभीर हालत में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

पैनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मां और बेटे का पैनल पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें पुष्टि हुई कि दोनों की हत्या सुबह के वक्त ही कर दी गई थी। इंफोसिटी पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी ने हत्या के बाद कई घंटे घर में ही बिताए थे। पुलिस अब हत्या के पीछे की असली वजह और आरोपी के आत्महत्या के प्रयास की गहराई से जांच कर रही है।

दोहरी हत्या के बाद सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या का प्रयास!

गांधीनगर के सरगासन में हुए डबल मर्डर केस में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी हर्ष ने पहले पत्नी का गला घोंटकर और बेटे का सिर दीवार से टकराकर निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद उसने सुसाइड नोट लिखकर खुद की कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

सुसाइड नोट में लिखी आर्थिक तंगी की वजह

डीवाईएसपी डी.टी. गोहिल के अनुसार,पुलिस ने हर्ष द्वारा लिखा गया सुसाइड नोट बरामद कर लिया है। इसमें उसने लिखा कि—

-उसे सुरेंद्रनगर में मकान खरीदना था, लेकिन वह अपने साले के घर में रह रहा था।

-शेयर बाजार में भारी नुकसान और कर्ज बढ़ने के कारण उसने यह कदम उठाया।

-उसने अपने सास-ससुर को परेशान न करने की अपील की।

-अपने ऑफिस से पैसे लेने के लिए कहा, ताकि पत्नी और बेटे का अंतिम संस्कार किया जा सके।

पुलिस अब सुसाइड नोट की सत्यता की जांच कर रही है और आरोपी के पिछले लेन-देन व वित्तीय हालात की पड़ताल कर रही है।

हत्या के बाद पूरे दिन घर में रहा आरोपी, पुलिस ने खंगाले CCTV फुटेज

गांधीनगर के सरगासन में दोहरी हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस को आरोपी हर्ष की सुसाइड नोट पर शक है। शुरुआती जांच में सामने आया कि पत्नी और बेटे की हत्या सुबह 10 से 11 बजे के बीच की गई, लेकिन पड़ोसियों को इस घटना की जानकारी शाम को मिली।

हत्या के बाद 8 घंटे तक लाशों के साथ घर में रहा हर्ष

-पुलिस को शक है कि आरोपी हर्ष हत्या के बाद पूरे दिन घर में ही रहा।

- क्या वह बाहर गया था या नहीं? यह पता लगाने के लिए पुलिस ने घर और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

-पुलिस को यह भी संदेह है कि सुसाइड नोट में लिखी गई बातें पूरी तरह सच नहीं हो सकतीं।

-पूछताछ के बाद ही असली वजह सामने आ सकेगी।

पुलिस अब आरोपी के फोन रिकॉर्ड (CDR) और अन्य डिजिटल सबूतों की भी जांच कर रही है ताकि घटना से जुड़ी पूरी सच्चाई सामने आ सके।